हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 34 ● भिलाई, शुक्रवार 21 अगस्त 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

सपा नेता आजम खान के ठिकानों पर ईडी की बड़ी कार्रवाई

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी जारी है। ईडी की टीम ने सुबह से रामपुर, सहारनपुर और दिल्ली समेत करीब 10 ठिकानों पर एक साथ कार्रवाई शुरू की है। यह कार्रवाई जौहर यूनिवर्सिटी के निर्माण में कथित तौर पर काले धन के इस्तेमाल से जुड़े मामले में की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, ट्रस्ट और यूनिवर्सिटी से जुड़े परिसरों को भी जांच के दायरे में लिया गया है। आजम खान के खिलाफ दर्ज कई दर्जन मामलों की जानकारी ईडी के साथ साझा किए जाने के बाद यह कार्रवाई की जा रही है। एजेंसी जौहर यूनिवर्सिटी के निर्माण और उससे जुड़े वित्तीय लेन-देन की जांच कर रही है। जौहर यूनिवर्सिटी पिछले कुछ समय से लगातार सुर्खियों में है। यूनिवर्सिटी में कथित अनियमितताओं के चलते इसकी 40 में से 38 इमारतों को गिराए जाने का खतरा पैदा हो गया था। हालांकि, इस मामले में अदालत ने फिलहाल रोक लगा रखी है।

कुर्सी नहीं, तो ट्रेन भी आगे नहीं जाएगी' गार्ड की जिद से थमे वैशाली एक्सप्रेस के पहिए

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर रेलवे स्टेशन से एक बेहद ही हैरान कर देने वाला और अजब-गजब मामला सामने आया है। यहां एक छोटी सी मांग पूरी न होने पर एक महत्वपूर्ण और वीआईपी ट्रेन के पहिए अचानक थम गए। नई दिल्ली से ललितग्राम जा रही वैशाली एक्सप्रेस के गार्ड को जब बैठने के लिए सही कुर्सी नहीं मिली, तो वह इस कदर नाराज हुआ कि उसने ट्रेन को आगे ले जाने से ही साफ इनकार कर दिया। गार्ड की इस जिद से रेलवे अधिकारियों के हाथ-पांव फूल गए और स्टेशन पर भारी अफरा-तफरी का माहौल बन गया। काफी मान-मनौव्वल के बाद जाकर ट्रेन आगे के सफर के लिए रवाना हो सकी। जानकारी के मुताबिक, 18 अगस्त की सुबह नई दिल्ली-ललितग्राम वैशाली एक्सप्रेस (15566) सुबह करीब 9:47 बजे गोरखपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर पहुंची थी।

दविंदर बंबीहा गैंग के तीन वांटेड सदस्य मलेशिया से डिपोर्ट

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस को अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध के खिलाफ एक बड़ी कामयाबी मिली है। काउंटर इंटेलिजेंस विंग के ओवरसीज फ्यूजिटिव ट्रैकिंग एंड एक्सट्रैडिशन सेल (ओएफटीईसी) ने केंद्रीय एजेंसियों की मदद से दविंदर बंबीहा गैंग से जुड़े तीन वांटेड सदस्यों को मलेशिया से डिपोर्ट करवाया है। यह जानकारी पंजाब डीजीपी की ओर से एक्स पर पोस्ट कर दी गई। पंजाब पुलिस ने बताया कि इन तीनों लोगों पर हत्या, जबरन वसूली, विस्फोटक रखने और लुधियाना में एक सुनियोजित हैंड-ग्रेनेड धमाके (जिसके तार पाकिस्तान की आईएसएआई से जुड़े थे) जैसे कई मामलों में आरोप हैं। आरोपी जसप्रीत सिंह उर्फ जस बेहबल, अजय सिंह और पवनदीप सिंह।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में ली तलाशी

कांग्रेस के पूर्व नेता रामगोपाल अग्रवाल के घर ईडी की रेड...

रायपुर/ समय दर्शन

छत्तीसगढ़ के धमतरी में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार सुबह कांग्रेस के पूर्व कोषाध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेता रामगोपाल अग्रवाल के निवास पर दबिश दी। ईडी की टीम सुबह से ही निवास के भीतर दस्तावेजों और अन्य रिकॉर्ड की जांच कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार ईडी की टीम दो अलग-अलग वाहनों से अग्रवाल के निवास पर पहुंची। टीम में सुरक्षा बलों सहित करीब आठ सदस्य बताए जा रहे हैं। यह कार्रवाई छत्तीसगढ़ के चर्चित शराब घोटाला, कोयला घोटाला और कस्टम मिलिंग घोटाले से जुड़े मामलों के सिलसिले में की जा रही है। हालांकि कार्रवाई के संबंध में ईडी की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। बता दें कि इससे पहले छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में ईडी के रायपुर जोनल कार्यालय ने रामगोपाल अग्रवाल को 11 अगस्त 2026 को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 19 के तहत गिरफ्तार किया था। उस समय अग्रवाल रायपुर केंद्रीय जेल में विचाराधीन बंदी के रूप में निरुद्ध थे। गिरफ्तारी के बाद उन्हें रायपुर की विशेष पीएमएलए अदालत में पेश किया गया, जहां से अदालत ने उन्हें ईडी की रिमांड पर भेज दिया था। ईडी ने शराब घोटाले की जांच में दावा किया है कि अनिल टुटेजा (सेवानिवृत्त आईएएस), अनवर ढेबर और अरुणपति त्रिपाठी (आईटीएस) से जुड़े सिंडिकेट ने राज्य के शराब कारोबार में बड़े पैमाने पर अवैध गतिविधियां संचालित कीं। एजेंसी के अनुसार इस नेटवर्क के जरिए करीब 3,000 करोड़ रुपए की अपराध से अर्जित आय जुटाई गई। ईडी का आरोप है कि यह रकम शराब बिक्री पर अवैध कमीशन, बिना हिसाब वाली देशी शराब की बिक्री, डिस्टिलरों से वार्षिक कमीशन, विदेशी शराब कंपनियों से कमीशन और एफएल-10ए लाइसेंस देने के एवज में वसूली गई राशि के माध्यम से अर्जित की गई। एजेंसी ने जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर यह भी दावा किया है कि अपराध से अर्जित नकद राशि का एक बड़ा हिस्सा रामगोपाल अग्रवाल तक पहुंचाया गया। ईडी के मुताबिक, उस समय प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष रहे अग्रवाल तक यह नकदी सिंडिकेट के कथित हैंडलरों के माध्यम से पहुंचाई गई। ईडी के अनुसार पीएमएलए की धारा 50 के तहत दर्ज किए गए उन लोगों के बयानों में भी नकदी रामगोपाल अग्रवाल तक पहुंचाए जाने की जानकारी सामने आई है, जिन्होंने कथित तौर पर रकम को संभाला और स्थानांतरित किया था। धमतरी स्थित निवास पर जारी मौजूदा कार्रवाई में ईडी की टीम किन दस्तावेजों अथवा रिकॉर्ड को जांच के दायरे में ले रही है, इसकी आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। ईडी के अनुसार कथित शराब घोटाले को 2019 से 2022 के बीच एक 'सिंडिकेट' ने अंजाम दिया था।

दुर्ग में ईडी की बड़ी कार्रवाई, दो रियल एस्टेट कारोबारियों से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी.....

दुर्ग। दुर्ग-भिलाई में गुरुवार सुबह प्रवर्तन निदेशालय की बड़ी कार्रवाई की खबर सामने आई है। जानकारी के मुताबिक ईडी की टीम ने रियल एस्टेट कारोबार से जुड़े सज्जल जैन और विश्वास गुप्ता के ठिकानों पर पहुंचकर जांच शुरू की है। दोनों कारोबारियों के ठिकानों को कांग्रेस नेता रामगोपाल अग्रवाल के यहां हुई ईडी की कार्रवाई से जोड़कर देखा जा रहा है। जानकारी के अनुसार, दुर्ग के गांधी चौक स्थित जय आनंद परिसर, जैन गली, ऑक्टर ताम्रकार के समीप सज्जल जैन से जुड़े परिसर समेत कुछ अन्य ठिकानों पर ईडी की टीम पहुंची है। यहां जांच एजेंसी द्वारा दस्तावेजों और कारोबारी लेन-देन से जुड़े रिकॉर्ड की जांच किए जाने की जानकारी है। बताया जा रहा है कि कार्रवाई सज्जल जैन और विश्वास गुप्ता से जुड़े कार्यालय एवं आवासीय परिसरों पर केंद्रित है। सज्जल जैन का संबंध रिद्धि-सिद्धि बिल्डर्स से बताया जा रहा है, जबकि विश्वास गुप्ता भी इस बिल्डर समूह से जुड़े पार्टनर रहे हैं। इसके अलावा दुर्ग के शनिचरी बाजार स्थित श्रीराम हार्डवेयर में भी रियल एस्टेट कारोबारी विश्वास गुप्ता से जुड़े ठिकाने पर ईडी की टीम द्वारा कार्रवाई किए जाने की जानकारी सामने आई है। सुबह से ही जांच एजेंसी की टीम अलग-अलग परिसरों में दस्तावेजों और अन्य रिकॉर्ड को खंगाल रही है। फिलहाल ईडी की इस कार्रवाई को लेकर एजेंसी की ओर से आधिकारिक तौर पर विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। यह कार्रवाई किस मामले में और किन दस्तावेजों अथवा वित्तीय लेन-देन की जांच के लिए की जा रही है, इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई है। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई कांग्रेस नेता रामगोपाल अग्रवाल से जुड़े परिसरों में चल रही ईडी की जांच से संबंधित हो सकती है। हालांकि, इस संबंध की आधिकारिक पुष्टि फिलहाल नहीं हुई है।

वंदे मातरम पर कांग्रेस के फैसले से भड़के गृहमंत्री

1937 की गलती दोहरा रही पार्टी देश के बंटवारे की...अमित शाह

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस कार्य समिति के 'वंदे मातरम' के केवल दो पैराग्राफगाने के पुराने फैसले को दोहराने के बाद देशभर में सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस नेताओं ने इसका समर्थन किया है, वहीं भाजपा ने इसे शहीदों का अपमान करार दिया है। कांग्रेस के इस फैसले पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तीखा हमला बोला है। शाह ने अपने चेन्नई दौरे के बीच कांग्रेस के इस फैसले की निंदा की। तमिलनाडु के चेंगलपट्टू वंदे मातरम पर कांग्रेस की सीडब्ल्यूसी (कांग्रेस वर्किंग कमिटी) के प्रस्ताव पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, कल कांग्रेस वर्किंग

कमिटी ने देश-विरोधी फैसला लिया। 1937 के अपने प्रस्ताव को मानते हुए, कांग्रेस ने वंदे मातरम के सिर्फ दो पद गाने का फैसला किया। मैं देश को याद दिलाना चाहता हूं कि 1937 में मुसलमानों को खुश करने के लिए वंदे मातरम को बांटकर कांग्रेस ने देश के बंटवारे की नींव रखी थी। आज नरेंद्र मोदी सरकार ने राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के लिए कांग्रेस की उस गलती को सुधारा है और इसे कानूनी आधार भी दिया है। अमित शाह ने आगे कहा, कांग्रेस का यह फैसला उसकी तुष्टिकरण की नीति को साबित करता है। उन्होंने न सिर्फबंकिम बाबू की इस रचना का अपमान किया है, बल्कि उन लाखों लोगों का भी अपमान किया है जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपनी जान दी। आज कांग्रेस पार्टी अपने 1937 के प्रस्ताव को तो लागू कर रही है, लेकिन संसद द्वारा बनाए गए कानून को नकार रही है। अमित शाह ने हैरानी जताते हुए कहा, मुझे हैरानी है कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी एक बार फिर तुष्टिकरण की राजनीति को आगे बढ़ा रही है।

हेल्थ बीमा कवर 5 लाख से बढ़ाकर 25 लाख-सीएम विजय

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने राज्य के लोगों और दूध उत्पादकों के लिए दो बड़े फैसलों का ऐलान किया। मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री व्यापक स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत सालाना स्वास्थ्य बीमा कवर को 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये करने की घोषणा की। इसके साथ ही सरकारी डेयरी कंपनी आविन के लिए दूध खरीद मूल्य 38 रुपये से बढ़ाकर 41 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाएं किसी व्यक्ति के लिए महज सुविधा नहीं, बल्कि उसका मूल अधिकार हैं।

पीएम मोदी का शासन आखिरी दौर में है

उत्तराधिकारी की तलाश चल रही है-राहुल गांधी..

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी का राजनीतिक अंत हो चुका है और उनका शासन अब अंतिम दौर में है। राहुल गांधी के मुताबिक, मोदी के उत्तराधिकारी की तलाश भी शुरू हो चुकी है। टाइम्स ऑफ इंडिया ने सूत्रों के हवाले से लिखा कि राहुल गांधी ने बैठक में कहा, नरेंद्र मोदी का राजनीतिक अंत हो चुका है। उनका वक्त खत्म हो गया है। मोदी का शासन आखिरी दौर में है। उनके

उत्तराधिकारी की तलाश चल रही है। राहुल गांधी ने केंद्र सरकार को पूरी तरह बैकफुट पर बताया। उन्होंने कांग्रेस नेताओं से सरकार के खिलाफ और आक्रामक तरीके से मोर्चा लेने की अपील की।

पूर्व राज्यपाल रमेश बैस का ड्राइवर है पिता

छत्तीसगढ़ के योगेश कुमार साहू ने केबीसी में जीते 50 लाख रूपए...

बलौदाबाजार। समय दर्शन

छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले के रहने वाले 23 साल के योगेश साहू ने कौन बनेगा करोड़पति में 50 लाख रुपए जीते हैं। उन्होंने 1 करोड़ रुपए के सवाल का जवाब देने के बजाय गेम क्विट कर दिया। मुंबई से लौटने के बाद भाटापारा रेलवे स्टेशन पर सामाजिक कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने योगेश का जोरदार स्वागत किया। उनकी सफलता पर परिवार, गांव और क्षेत्र के लोगों ने खुशी जताई। बता दें कि योगेश के पिता गयाराम साहू महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल रमेश बैस के ड्राइवर हैं।

ग्राम टेहका के रहने वाले योगेश आईआईटी बॉम्बे में टॉपर रह चुके हैं। उन्होंने आईआईटी में पहले ही प्रयास में एडमिशन लिया था। उन्होंने कैंपस प्लेसमेंट में मिली 1.5 लाख रुपए महीने की नौकरी छोड़ दी, क्योंकि वह आईएएस अधिकारी बनने का अपना सपना पूरा करना चाहते हैं। योगेश ने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। पिता ने बताया कि योगेश ने पीएससी सिविल सेवा की प्रारंभिक परीक्षा भी पहले ही प्रयास में पास की है। वह फिलहाल मुख्य परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। योगेश मोबाइल का इस्तेमाल नहीं करते और सोशल मीडिया से भी दूर रहते हैं। योगेश ने शुरुआती पढ़ाई बलौदाबाजार के जेसीज कॉन्वेंट और मयूर शिशु मंदिर से की। इसके बाद वे हाई एजुकेशन के लिए बिलासपुर गए। यहां रोहन चावला ने अपने कोचिंग सेंटर में उन्हें 11वीं और 12वीं की मुफ्त पढ़ाई कराई।

धमाल के राइट्स बेचने के नाम पर 1.50 करोड़ की ठगी

मुंबई। मुंबई के फिल्म उद्योग से धोखाधड़ी और जालसाजी का एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। बॉलीवुड की सबसे लोकप्रिय कॉमेडी फिल्मों में से एक धमाल के डिस्ट्रीब्यूशन, डिजिटल और कॉपीराइट्स बेचने के नाम पर एक नामी डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के साथ 1.50 करोड़ की बड़ी ठगी का खुलासा हुआ है। इस मामले में अंबोली पुलिस ने 17 अगस्त 2026 को प्रसिद्ध फिल्म निर्माता अशोक नवल कुमार ठाकरिया और दिग्गज निर्देशक इंद्र कुमार के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह कार्रवाई अंधेरी पश्चिम स्थित प्रमुख फिल्म डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ग्रैंड मास्टर के मालिक विकास बलदेवराज साहनी द्वारा दर्ज कराई गई ।

तिहाड़ में काट रहे थे उम्रकैद की सजा

1984 सिख विरोधी दंगों के दोषी सज्जन कुमार का हुआ निधन.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

पूर्व सांसद और इंडियन नेशनल कांग्रेस पार्टी के नेता सज्जन कुमार का निधन हो गया है। उन्हें दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में मृत अवस्था में लाया गया था। निधन की खबर मिलते ही दिल्ली में कांग्रेस के दिवंगत नेता और पूर्व सांसद सज्जन कुमार के बेटे जग प्रवेश कुमार सफदरजंग अस्पताल पहुंचे। बता दें, कि सज्जन कुमार पिछले 7 सालों से दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद थे और सजा काट रहे थे। 81 की उम्र में गुरुवार 20 अगस्त को उनका निधन हो गया। जब उन्हें अस्पताल

लाया गया तो पता चला कि काफी पहले ही उनका निधन हो गया था। अप्रैल 2026 में उन्होंने अपनी बीमार पत्नी से मिलने के लिए सुप्रीम कोर्ट से जमानत की मांग की थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया था। सज्जन कुमार 1984 के सिख-विरोधी दंगों से जुड़े दो मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद तिहाड़ जेल में उम्रकैद की सजा काट रहे थे। दिल्ली कैंट के पालम कॉलोनी इलाके में पांच सिखों की हत्या के बाद एक गुरुद्वारे में आग लगा दी गई थी। सज्जन कुमार को इस मामले में दोषी पाया गया था। दिल्ली हाई कोर्ट ने 17 दिसंबर 2018 को उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई थी। सितंबर 2023 में, राउज एवेन्यू कोर्ट ने उन्हें दिल्ली के सुल्तानपुरी में तीन सिखों की हत्या से जुड़े एक मामले में बरी कर दिया। दंगों से जुड़ीं सीबीआई की मुख्य गवाह चाम कौर ने आरोप लगाया था कि सज्जन भीड़ को उकसा रहे थे।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला-प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग के आरोपों की होगी जांच

आरोपों की जांच करेगी 5 सदस्यीय कमेटी,पूर्वजज रेड्डी होंगे अध्यक्ष

नई दिल्ली/ एजेंसी

नीट पेपर लीक और परीक्षा में कथित अनियमितताओं के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान पुलिस और सुरक्षा बलों पर लगे कथित बल प्रयोग के आरोपों की जांच अब सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में होगी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पांच सदस्यीय हाई-पावर्ड एक्सपर्ट कमेटी गठित की है। कमेटी दिल्ली के जंतर-मंतर समेत देश के विभिन्न हिस्सों में हुए प्रदर्शनों के दौरान पुलिस, पैरामिलिट्री फोर्स और अन्य सुरक्षा कर्मियों की कार्रवाई की जांच करेगी। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस आर. सुभाष रेड्डी को पांच सदस्यीय हाई-पावर्ड एक्सपर्ट कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है। उनके अलावा पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के पूर्व चीफजस्टिस रवि शंकर झा, दिल्ली हाईकोर्ट की पूर्व जज जस्टिस शालिंदर कौर, सीबीआई के पूर्व डायरेक्टर ऋषि कुमार शुक्ला और मेघालय के रिटायर्ड डीजीपी डॉ. एलआर बिश्नोई कमेटी के सदस्य होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कमेटी को मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए महिला प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित हिंसा, उत्पीड़न और छेड़छाड़ से जुड़े आरोपों की प्राथमिकता से जांच करने को कहा है। कमेटी यह भी देखेगी कि प्रदर्शनकारियों को गंभीर चोट पहुंचाने या अन्य नुकसान के जो आरोप लगाए गए हैं, उनमें सुरक्षा बलों की कार्रवाई किस स्तर के आदेश या चेन ऑफ कमांड के तहत हुई थी। कमेटी के जांच के दायरे में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित तौर पर किए गए अत्यधिक बल प्रयोग के आरोप भी शामिल हैं। इनमें लाठीचार्ज, आंसू

गैस, इलेक्ट्रिक बैटन और पेलेट गन जैसे साधनों के इस्तेमाल की परिस्थितियों की जांच की जाएगी। पैनल यह भी जांच करेगा कि प्रदर्शनकारियों को बल प्रयोग से पहले पर्याप्त चेतावनी दी गई थी या नहीं और इस्तेमाल किया गया बल परिस्थितियों के अनुपात में था या नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले भी कहा था कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन संवैधानिक अधिकार है और केवल आंदोलन करने के आधार पर पुलिस कार्रवाई को उचित नहीं ठहराया जा सकता। अदालत ने प्रदर्शनों से निपटने के लिए देशभर में एक समान प्रोटोकॉल की आवश्यकता पर भी जोर दिया था। कमेटी यह भी देखेगी कि पंप-एक्शन या प्रोजेक्टाइल-एक्शन गन से दागे जाने वाले मेटैलिक काइनेटिक प्रोजेक्टाइल या पेलेट के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए या नहीं। सुप्रीम कोर्ट पहले ही इस मामले में पेलेट गन के इस्तेमाल को लेकर सवाल उठा चुका है और दिल्ली पुलिस से इसके इस्तेमाल से संबंधित एसओपी रिकॉर्ड पर रखने को कहा गया था। जांच का एक अहम पहलू यह भी होगा कि प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी या उनके खिलाफ बल प्रयोग के दौरान पुलिस और सुरक्षा कर्मियों ने निर्धारित यूनिफॉर्म और स्पष्ट रूप से दिखाई देने वाली नेमप्लेट पहनी थी या नहीं। कमेटी यह भी देखेगी कि पुलिस और सुरक्षा बलों ने कार्रवाई के दौरान लागू कानूनों, नियमों और निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन किया या नहीं।

जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाएं नहीं होंगी रद्द, हाईकोर्ट ने सोरेन सरकार के फैसले पर लगाई रोक

झारखंड में झेजेपीएससी और जेएसएससी से जुड़ी परीक्षाओं और नियुक्तियों को लेकर चल रहे विवाद में अब एक नया ट्विस्ट आया है। हाल ही में छात्र आंदोलन और परीक्षा प्रक्रिया पर उठे सवालों के बाद राज्य की सोरेन सरकार ने कुछ परीक्षाओं और उनसे जुड़ी नियुक्तियों को रद्द करने का फैसला किया था। सोरेन सरकार का तर्क था कि भर्ती प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर छात्रों में संदेह पैदा हुए हैं, इसलिए पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए ये फैसला जरूरी है। झारखंड सरकार के इस आदेश के खिलाफकई नवनियुक्त अधिकारियों और अभ्यर्थियों द्वारा झारखंड हाईकोर्ट में अलग-अलग याचिका दायर की गई थी।

स्वामित्व योजना के तहत अधिकार अभिलेख निर्माण में धमतरी जिला प्रदेश में अव्वल

धमतरी। ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी भूमि पर निवासरत परिवारों को उनकी भूमि पर स्वामित्व का वैधानिक अधिकार प्रदान करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी स्वामित्व योजना का जिले में प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन किया जा रहा है। योजना के तहत राजस्व ग्रामीण आबादी प्रचलित एवं सुरक्षित भूमि में निवासरत पात्र परिवारों को उनके अधिकारों का अभिलेखीकरण कर अधिकार अभिलेख वितरित किए जा रहे हैं। गुणवत्तापूर्ण अधिकार अभिलेख निर्माण एवं वितरण के क्षेत्र में धमतरी जिला प्रदेश में अग्रणी रहा है। स्वामित्व योजना के अंतर्गत जिले के 501 राजस्व ग्रामों में ड्रोन फ्लाई कराया गया है। ड्रोन सर्वेक्षण के माध्यम से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर भारत सरकार की कार्यान्वयन एजेंसी सर्वे ऑफ इंडिया से प्राप्त मानचित्रों का भौतिक सत्यापन कराया गया। इस प्रक्रिया में मैदानी स्तर पर स्थल सत्यापन, पात्र परिवारों की पहचान तथा आबादी भूमि से संबंधित अभिलेखों का परीक्षण किया गया, ताकि तैयार किए जा रहे अधिकार अभिलेख शुद्ध, प्रमाणिक एवं त्रुटिरहित हों। योजना के तहत अब तक 312 ग्रामों के अभिलेख पोर्टल पर अपलोड किए जा चुके हैं तथा 50 हजार से अधिक अधिकार अभिलेखों का वितरण पात्र हितग्राहियों को किया गया है। इससे ग्रामीण परिवारों को अपनी आबादी भूमि के संबंध में स्पष्ट एवं वैधानिक अभिलेख प्राप्त हुए हैं। अधिकार अभिलेख मिलने से ग्रामीणों को अपनी संपत्ति के स्वामित्व का प्रमाण उपलब्ध होने के साथ ही भविष्य में बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाओं का लाभ लेने, संपत्ति संबंधी लेन.देन तथा अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं में सुविधा प्राप्त होगी। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने कहा कि स्वामित्व योजना ग्रामीण परिवारों को उनकी संपत्ति का विधिवत अधिकार प्रदान करने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि जिले में योजना के क्रियान्वयन में अभिलेखों की शुद्धता, पारदर्शिता और समयबद्धता को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शेष ग्रामों में भी आवश्यक प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कर पात्र परिवारों को अधिकार अभिलेख उपलब्ध कराने तथा किसी भी स्तर पर त्रुटि की गुंजाइश नहीं रखने के निर्देश दिए हैं। स्वामित्व योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीण क्षेत्रों में संपत्ति संबंधी विवादों में कमी लाने, भूमि अभिलेखों को अधिक व्यवस्थित एवं पारदर्शी बनाने तथा ग्रामीण परिवारों को संपत्ति के माध्यम से आर्थिक अवसरों से जोड़ने में महत्वपूर्ण सहायता मिल रही है। जिले में योजना के तहत की जा रही कार्यवाही ग्रामीण विकास एवं सुशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

महावीर इंटरनेशनल द्वारा एक दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर 22 को

धमतरी। समाजसेवी संस्था महावीर इंटरनेशनल द्वारा एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन 22 अगस्त शनिवार को किया जा रहा है जिसमें ब्लड प्रेशर, शुगर, हड्डी रोग, तंत्रिका रोग और हृदय रोग के अनुभवी विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा मरीजों की निःशुल्क जांच कर परामर्श दिया जाएगा। निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में छत्तीसगढ़ के मशहूर अस्पताल आईएलएस हॉस्पिटल रायपुर के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ कुणाल ओस्तवाल, न्यूरोसर्जन डॉ अमित जैन, ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ अभिषेक त्रिपाठी और एंडोक्रोनोलॉजिस्ट डॉ शिखा बुधवानी सेवाएं देगी। डॉक्टर बुधवानी अनुभवी एंडोक्रिनोलॉजिस्ट है, जो हार्मोन से संबंधित बीमारियों जैसे शुगर एवं शरीर में विभिन्न हार्मोन के अनियमित स्राव संबंधी जटिलताओं की विशेषज्ञ है।

शिविर में आधुनिक मशीनों द्वारा बीपीए शुगर, लिपिड प्रोफाइल, बीएमआई, बीएमडी और न्यूरोपैथी टेस्ट जैसे परीक्षण निःशुल्क किए जाएंगे। शिविर के प्रायोजक राजेश प्रजापति हैं। शिविर 22 अगस्त शनिवार को सिहावा चौक के पास नवीन स्थानक भवन में प्रातः 9 बजे से 2 तक होगा। महावीर इंटरनेशनल ने सभी नागरिकों से शिविर का अधिकाधिक लाभ उठाने का अनुरोध किया है।

रिफंड पोर्टल शुरू होने के साढ़े 3 साल बाद भी पैसा नहीं लौटाना निवेशकों के साथ धोखा : विनोद चंद्राकर

महासमुंद। पूर्व संसदीय सचिव छग शासन व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवन लाल चंद्राकर ने कहा कि सहारा रिफंड पोर्टल शुरू होने के साढ़े 3 साल बाद भी निवेशकों की राशि लौटाने में केंद्र सरकार रुचि नहीं ले रही है। अब तक पोर्टल में रजिस्टर्ड आवेदनों के 2 प्रतिशत लोगों को भी राशि नहीं मिल पाई है। इससे यही प्रतीत होता है कि सहारा निवेशकों के साथ केंद्र की भाजपा सरकार ने छल और वादा खिलाफी किया है। चंद्राकर ने कहा कि देश के गृहमंत्री व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 18 जुलाई 2023 को बड़े प्रचार के साथ सहारा रिफंड पोर्टल का शुभारंभ किया था और मोदी की गारंटी के तहत पैसा लौटाने की बात कही गई थी। आज लगभग साढ़े तीन साल बाद भी धरातल पर कुछ नहीं हुआ। सरकारी आंकड़ों के अनुसार आज 19 अगस्त 2026 तक की स्थिति में देशभर में 1 करोड़ 45 लाख 79 हजार 780 आवेदन रिफंड पोर्टल में दर्ज हैं। इनमें छत्तीसगढ़ के लाखों निवेशकों के भी आवेदन शामिल है, इन्हें आवेदन किए हुए साढ़े तीन साल होने को है। इतनी बड़ी संख्या के बावजूद आज तक 2 प्रतिशत निवेशकों को भी उनका पैसा वापस नहीं मिल पाया है। चुनावी मजबूरी में पश्चिम बंगाल और बिहार चुनाव के पहले जिन लोगों को कंपनी से लाखों रुपये मिलने थे, उन्हें भी केवल 10 से 20 हजार रुपये देकर खानापूर्ति कर दी गई और चुनाव निपटते ही पोर्टल को निष्क्रिय कर दिया गया। पूर्व संसदीय सचिव ने बताया कि तीन वर्षों में इंतजार करते-करते कई बुजुर्ग निवेशकों की मृत्यु हो गई। पैसे की आस में उनकी सांसें थम गईं, लेकिन सरकार ने उनके परिवारों की सुध तक नहीं ली। यह केवल आर्थिक क्षति नहीं है, यह लाखों परिवारों के भरोसे का कत्ल है। सरकार के पास आंकड़े हैं, आवेदन हैं, लेकिन इच्छाशक्ति नहीं है। निवेशक आज भी कलेक्टर और मंत्रियों के चक्कर काट रहे हैं और हर दरवाजे से उन्हें निराशा ही मिल रही है। छत्तीसगढ़ में जब भूपेश बघेल की सरकार थी, तब अनेक चिटफंड कंपनियों के निवेशकों की राशि वापस कराने की कार्रवाई गंभीरता से शुरू की गई थी। भाजपा की सरकार बनते ही वह प्रक्रिया बंद कर दी गई। घोषणा पत्र में सहारा निवेशकों को पैसा वापस करने का वादा किया गया था, लेकिन वह वादा कागज तक सीमित रह गया। केंद्र सरकार 12 साल बेमिसाल का नारा देती है, वहीं दूसरी ओर जनता अपने को ठगा हुआ महसूस कर रही है। चंद्राकर ने आरोप लगाया कि सरकार में काम करने की इच्छाशक्ति के कमी के कारण लाखों निवेशकों को अपनी गाढ़ी कमाई के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। यह सरकार की सबसे बड़ी विफलता है।

भगवान भोलेनाथ की भक्ति में अपार शक्ति है : रंजना साहू

धमतरी। बूढ़ेश्वर महादेव मंदिर परिसर में बोल बम कांवरिया संघ द्वारा आयोजित शिव महापुराण कथा में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं धमतरी पूर्व विधायक रंजना डीपेंद्र साहू शामिल हुईं। उन्होंने कथा वाचक पंडित हरिशरण वैष्णव के मुखारविंद से शिव महापुराण कथा का श्रवण किया तथा व्यासपीठ को प्रणाम कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर रंजना साहू ने उपस्थित श्रद्धालुओं को पावन श्रावण मास की शुभकामनाएं देते हुए भगवान भोलेनाथ से समस्त क्षेत्रवासियों के सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। अपने उद्बोधन में रंजना साहू ने कहा कि श्रावण मास भगवान शिव की आराधना और भक्ति का पावन पर्व है। शिव महापुराण कथा हमें धर्म, सत्य, सेवा, संस्कार और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। भगवान भोलेनाथ की भक्ति में अपार शक्ति है। जो श्रद्धा और विश्वास के साथ महादेव का स्मरण करता है, उसके जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और आत्मिक शांति का संचार होता है। ऐसे धार्मिक आयोजनों से हमारी सनातन संस्कृति और संस्कारों को मजबूती मिलती है तथा समाज में आपसी भाईचारा और एकता बढ़ती है। उन्होंने कहा कि बोल बम कांवरिया संघ द्वारा शिव महापुराण कथा का आयोजन श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त करने का सुंदर अवसर है। कथा श्रवण के साथ हमें भगवान शिव के आदर्शों को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लेना चाहिए। महादेव सभी पर अपनी कृपा बनाए रखें और प्रत्येक परिवार में सुख.समृद्धि एवं खुशहाली का वास हो। शिव महापुराण कथा के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कथा का श्रवण कर भगवान शिव की आराधना की। इस अवसर पर एल्डरमेन सीमा चौबे, एल्डरमेन रितिका यादव, पूर्व जनपद सदस्य जागेश्वरी साहू सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित रहे। आयोजन में उपस्थित श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ के जयकारे लगाए और क्षेत्र की सुख.समृद्धि की कामना की।

चंदा देवी तिवारी अस्पताल में डॉ. वेद प्रकाश वर्मा ने शुरू की नियमित सेवाएं

बलौदाबाजार। पहले दिन 53 मरीजों का किया परीक्षण, स्थानीय नागरिकों ने किया अभिनंदन चंदा देवी तिवारी अस्पताल में अब से प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. वेद प्रकाश वर्मा ने अपनी नियमित चिकित्सा सेवाएं देना शुरू कर दिया है। सेवा के पहले ही दिन डॉ. वेद प्रकाश वर्मा ने 53 मरीजों का परीक्षण एवं चिकित्सकीय परामर्श दिया। डॉ. वेद प्रकाश वर्मा की नियमित सेवाएं शुरू होने पर क्षेत्र के स्थानीय गणमान्य नागरिकों एवं आमजनों ने उनका अभिनंदन एवं स्वागत किया। इस अवसर पर नागरिकों ने जिले में हृदय रोगियों के लिए बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की पहल के लिए चंदा देवी तिवारी अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. नितिन तिवारी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. नितिन तिवारी ने कहा कि पिछले लगभग 10 वर्षों में यह देखने में आया है कि जिले के हृदय रोगियों को हार्ट अटैक जैसी आपात स्थिति में उपचार के लिए रायपुर अथवा बिलासपुर का रुख करना पड़ता था।

कई बार अस्पताल तक पहुंचने में लगने वाले समय के कारण मरीजों को गोल्डन हावर में आवश्यक उपचार नहीं मिल पाता था, जिसके चलते कुछ मरीजों की जान तक चली जाती थी। उन्होंने कहा कि इसी गंभीर समस्या को ध्यान में रखते हुए चंदा देवी तिवारी अस्पताल में कैथ लैब की शुरुआत करने तथा विशेषज्ञ कार्डियोलॉजिस्ट की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में पहल की गई है। इसका उद्देश्य जिले एवं आसपास के क्षेत्रों के हृदय रोगियों को समय पर विशेषज्ञ चिकित्सा एवं आवश्यक उपचार उपलब्ध कराना है, ताकि आपातकालीन स्थिति में मरीजों को उपचार के लिए दूर-दराज के शहरों में जाने की आवश्यकता कम हो और बहुमूल्य समय बचाया जा सके। डॉ. नितिन तिवारी ने कहा कि अस्पताल में कार्डियक सेवाओं के विस्तार से जिले के लोगों को स्थानीय स्तर पर आधुनिक हृदय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी तथा हार्ट अटैक के मरीजों के लिए समय पर उपचार की संभावना और बेहतर होगी। चंदा देवी तिवारी अस्पताल प्रबंधन ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि हृदय संबंधी किसी भी समस्या अथवा आपात स्थिति में समय पर चिकित्सकीय परामर्श लें और आवश्यक उपचार में देरी न करें।

बेटियों की शिक्षा और सशक्तिकरण की दिशा में एक और सार्थक कदम

सरायपाली। सरायपाली शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय बलौदा के स्कूल प्रांगण में शासन की महत्वाकांक्षी सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत निःशुल्क साइकिल वितरण समारोह उत्साह पूर्वक किया गया। इस योजना का उद्देश्य हमारी बेटियों को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना, विद्यालय आने-जाने की कठिनाइयों को दूर करना तथा उन्हें आत्मनिर्भर, सुरक्षित एवं सशक्त बनाना है। साइकिल का यह उपहार बेटियों के सपनों को गति देने और उनकी शिक्षा की राह को और सुगम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में जिला पंचायत सभापति एवं भाजपा जिला मंत्री कुमारी भास्कर , जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रकाशचंद पटेल , मंडल अध्यक्ष नीलांबर तांडी , जनपद पंचायत सदस्य पद्मनी भोई , शाला प्रबंध समिति के अध्यक्ष सारथी नाग , उप सरपंच सरोज सेठ , सलडीह सरपंच दयानन्द पटेल जी,शाला प्रबंधन समिति सदस्य संत लाल सोना , उमेश श्रीवास ,विद्यालय के प्राचार्य अरुण कुमार सतपथी , धनेश्वर भास्कर , शिक्षकगण, पालकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जोधापुर में 23 अगस्त को धूमधाम से मनाई जाएगी गुरु बालक दास जयंती

धमतरी। प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी परम पूज्य गुरु घासीदास बाबा के द्वितीय पुत्र, शूरवीर, महान प्रतापी एवं अमर बलिदानी राजा गुरु बालक दास की जयंती समारोह का भव्य आयोजन 23 अगस्त 2026 को जोधापुर धमतरी में अत्यंत उत्साह एवं गरिमा के साथ किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का आयोजन सतनामी समाज कल्याण समिति, जोधापुर द्वारा किया जा रहा है। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि राजा गुरु बालक दास के शौर्य, त्याग और सामाजिक समरसता के संदेशों को जन.जन तक पहुँचाने तथा नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ने के उद्देश्य से विविध कार्यक्रमों का आयोजन रखा गया है। गुरु बालक दास वेशभूषा प्रतियोगिता-राजा गुरु बालक दास के स्वरूप की सजीव प्रस्तुति। पारंपरिक पंथी नृत्य-प्रसिद्ध पंथी दलों द्वारा गुरु महिमा एवं शौर्यगाथा पर आधारित भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुति। रंगोली प्रतियोगिता-सामाजिक संदेश एवं संस्कृति पर आधारित रंगोली स्पर्धा। खेलकूद प्रतियोगिताएं-बच्चों एवं युवाओं के लिए विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताएं। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः जैतखाम पूजा.अर्चना के साथ होगा। इसके पश्चात दोपहर से विविध प्रतियोगिताएं एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां शुरू होंगी। शाम को विजेताओं का सम्मान एवं पुरस्कार वितरण किया जाएगा। सतनामी समाज कल्याण समिति, जोधापुर धमतरी ने समस्त समाज जन, क्षेत्रवासियों एवं श्रद्धालुओं से इस पावन अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने एवं इसे सफल बनाने की सहर्ष अपील की है।

कीटनाशक विक्रय केंद्रों का निरीक्षण, 3 विक्रेताओं को नोटिस

बलौदाबाजार। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार कृषि विभाग द्वारा खरीफ 2026 अंतर्गत वर्तमान कृषि कार्य को दृष्टिगत रखते हुए कृषकों को गुणवत्तायुक्त कीटनाशक दवाई उपलब्ध कराने के उद्देश्य जिले के कीटनाशक निरीक्षको द्वारा नियमित रूप से कीटनाशक विक्रय केंद्रों में दबिश देकर सघन निरीक्षण किया जा रहा है। इसी कड़ी मे मंगलवार को निरीक्षण के दौरान अनियमितता पाए जाने पर 3 विक्रेताओं को नोटिस जारी किया गया। विकासखंड पलारी के निरीक्षक सुचिन कुमार वर्मा ने ग्राम संडी में संचालित महेंद्र कृषि सेवा केंद्र का औचक निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान विक्रय केंद्र में कैश मेमो तथा स्त्रोत प्रमाण पत्र का उचित संधारण नहीं पाए जाने के कारण विक्रेता को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया है। ग्राम संडी के ही भगत कृषि सेवा केंद्र के निरीक्षण के दौरान स्त्रोत प्रमाण पत्र का उचित संधारण नहीं पाए जाने के कारण विक्रेता को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया है। ग्राम कोदवा में संचालित कौटिल्य कृषि सेवा केंद्र के औचक निरीक्षण के दौरान विक्रय केंद्र में कैश मेमो का उचित संधारण नहीं पाया गया जिस कारण उन्हें कारण बताओं नोटिस जारी किया गया है। विकासखंड सिमगा के कीटनाशक निरीक्षक ऑलिव मेरी कुजूर ने किसान कृषि केंद्र, दामाखेड़ा का औचक निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। विकासखंड कसडोल के कीटनाशक निरीक्षक धनेश्वर साय ने ग्राम कटगी में संचालित साहजित कृषि सेवा केंद्र एवं तकिम कृषि सेवा केंद्र का औचक निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए । विकासखंड भाटापारा के कीटनाशक निरीक्षक अवधेश उपाध्याय ने ग्राम कोदवा में संचालित हितेश कृषि सेवा केंद्र का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए । उपसंचालक कृषि दीपक नायक ने सभी कृषि आदान विक्रेताओं को स्पष्ट निर्देश दिए है कि उर्वरक, बीज, कीटनाशक सहित अन्य कृषि आदान सामग्री के भंडारण एवं विक्रय से संबंधित सभी आवश्यक अभिलेखों का नियमित रूप से संधारण करें। स्टॉक रजिस्टर एवं बिल बुक में प्रत्येक आवक और विक्रय का सही तथा अद्यतन विवरण दर्ज किया जाना अनिवार्य है। विभाग ने विक्रेताओं को शासन द्वारा निर्धारित नियमों एवं प्रावधानों का कड़ाई से पालन करने की हिदायत दी है।

दिव्य धाम में स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया

धमतरी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के तत्वावधान में स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर झंडारोहण और तिरंगा यात्रा का गरिमामय आयोजन किया गया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी सरिता बहन ने झंडा रोहन पश्चात स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए भारत माता के महान सपूतों जिन्होंने अपनी कुर्बानी देकर देश को आजाद कराया उनका जीवन अनुशासन मर्यादा देश प्रेम तथा जन कल्याण की भावना आज भी हमारे लिए प्रासंगिक है। अपने जीवन में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, शहीदों और देश के स्वर्णिम इतिहास के पृष्ठों में अंकित गाथा हम सबको ऊर्जा प्रदान करने वाला है। हमें अपने राष्ट्र को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए देश की समृद्धि में यथोचित योगदान देना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। अभी समय है कि हमारा देश नशा मुक्त राष्ट्र बने ताकि भारत अपनी सोने की चिड़िया जैसा स्वरूप पुनः प्राप्त कर सके। कार्यक्रम का संचालन कामिनी कौशिक ने किया। तत्पश्चात देश भक्ति पूर्ण वातावरण में स्लोगन और नारे बोलते हुए आकर्षक तिरंगा यात्रा निकाली गई जिसमें नगर पालिक निगम धमतरी के महापौर जगदीश रामू रोहरा एवं नरेंद्र पार्षद एवं सभापति प्रधानमंत्री पुनर्वास नगरपालिक धमतरी भी शामिल हुए। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में ईश्वरीय परिवार से ब्रह्माकुमारी बहनें एवं सैकड़े भाई.बहनो ने अपना अमूल्य योगदान दिया।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम द्वारा,अवमानक गुड़ पर 50 हजार जुर्माना

बलौदाबाजार। आगामी विभिन्न पर्वों एवं बरसात के मौसम को दृष्टिगत दृष्टिगत रखते हुए आम नागरिकों को सुरक्षित, शुद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं मानक खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले मे सात दिवसीय सघन खाद्य सुरक्षा प्रवर्तन एवं जन-जागरूकता अभियान -बने खाबो-बने रहिबो 2.0 पूरे जिले में पसंचालित किया जा रहा है। अभियान के दौरान होटल,ढाबो एवं अन्य खाद्य प्रतिष्ठानो की सघन जांच की जा रही है।पूर्व जांच के दौरान ज्ञानचंद एंड संस, सदर बाजार भाटापारा से गुड़ का नमूना जाँच हेतु लिया गया था जो जाँच में अवमानक पाए जाने पर अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी द्वारा सम्बंधित फर्म पर 50000 रूपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया है। मंगलवार को लिटल बावर्ची रेस्टोरेंट गार्डन चौक बलोदाबज़ार, अंश होटल अम्बेडकर चौक से पनीर, आटा, मगज, पल्लेदाना एवम बासमती चावल का नमूना लेकर जाँच हेतु खाद्य परिक्षण प्रयोगशाला भेजा गया है।बरकती बिरयानी अम्बेडकर चौक बलोदाबाज़ार 5किलोग्राम रंग युक्त चिकन फ्राई एवम चिकन चिल्ली को मौके पर नष्ट करवाकर नोटिस जारी किया गया। खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के तहत कड़ी वैधानिक व दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

संबलपुर,बोडरा,बलियारा.भोथली.छाती मार्ग के चौड़ीकरण को जल्द मिलेगी मंजूरी : रामू रोहरा

धमतरी। जिले के ग्रामीण अंचल को बेहतर सड़क सुविधा से जोड़ने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण पहल सामने आई है। संबलपुर, बोडरा, बलियारा, भोथली एवं छाती मार्ग के चौड़ीकरण की वर्षों पुरानी मांग अब जल्द पूरी होने की उम्मीद है। लंबे समय से ग्रामीण इस मार्ग के चौड़ीकरण की मांग कर रहे थे। मार्ग पर लगातार बढ़ते आवागमन और वाहनों की संख्या के कारण सड़क की चौड़ाई बढ़ाना क्षेत्र की प्रमुख जरूरत बन गई है। ग्रामीणों की इस मांग को गंभीरता से लेते हुए नगर निगम धमतरी के महापौर रामू रोहरा ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं उपमुख्यमंत्री अरुण साव, प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा, सांसद रूपकुमारी चौधरी से मार्ग चौड़ीकरण की स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया। महापौर ने सरकार के समक्ष क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति, ग्रामीणों की परेशानी और मार्ग के महत्व को रखते हुए शीघ्र स्वीकृति देने की मांग की। महापौर के अनुसार शासन स्तर पर इस प्रस्ताव को लेकर सकारात्मक रुख है और जल्द ही मार्ग चौड़ीकरण के लिए स्वीकृति मिलने की संभावना है। संबलपुर से बोडरा, बलियारा, भोथली होते हुए छाती तक जाने वाला मार्ग आसपास के गांवों के लोगों के लिए महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। इस मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीण, किसान, विद्यार्थी, कर्मचारी और अन्य लोग आवागमन करते हैं। सड़क की चौड़ाई कम होने के कारण कई स्थानों पर वाहनों को निकलने में परेशानी होती है। विशेषकर बड़े वाहनों की आवाजाही के दौरान यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है। मार्ग के चौड़ीकरण से न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में परिवहन व्यवस्था भी बेहतर होगी। किसानों को अपनी कृषि उपज बाजार तक पहुंचाने में सुविधा मिलेगी और विद्यार्थियों तथा नौकरीपेशा लोगों को भी आने.जाने में राहत मिलेगी।

विकास की रफ्तार को मिलेगी गति

महापौर रामू रोहरा ने कहा कि सड़क केवल आवागमन का माध्यम नहीं, बल्कि क्षेत्र के विकास की महत्वपूर्ण कड़ी होती है। बेहतर सड़क सुविधा से गांवों में व्यापारिक गतिविधियों, कृषि परिवहन और अन्य आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलता है। संबलपुर.बोडरा.बलियारा.भोथली.छाती मार्ग के चौड़ीकरण से इन क्षेत्रों के विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की वर्षों पुरानी मांग को शासन के समक्ष प्राथमिकता से रखा गया है। मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री से चर्चा के बाद उम्मीद है कि जल्द ही इस महत्वपूर्ण मार्ग के चौड़ीकरण को मंजूरी मिल जाएगी। स्वीकृति मिलने के बाद सड़क निर्माण एवं चौड़ीकरण की प्रि या आगे बढ़ेगी। महापौर ने कहा कि क्षेत्र के लोगों की समस्याओं और मांगों को शासन तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि धमतरी जिले के विकास के लिए सड़क, पानी, बिजली सहित मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों को बेहतर सड़क संपर्क से जोड़ना भी इसी विकास प्रि या का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि संबलपुर, बोडरा, बलियारा, भोथली और छाती क्षेत्र के ग्रामीण लंबे समय से इस सड़क के चौड़ीकरण की मांग कर रहे थे। ग्रामीणों की भावनाओं और आवश्यकता को देखते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री के समक्ष यह विषय रखा है। शासन से सकारात्मक संकेत मिलने के बाद अब ग्रामीणों को जल्द ही स्वीकृति मिलने की उम्मीद है।

जनहित के कार्यों को प्राथमिकता

महापौर रामू रोहरा ने कहा कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में विकास कार्यों को प्राथमिकता दे रही है। धमतरी जिले की जरूरतों को भी शासन स्तर पर गंभीरता से लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिले में सड़क एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं के विस्तार से आम लोगों को सीधे लाभ मिलेगा। महापौर ने मार्ग चौड़ीकरण की मांग पर सकारात्मक पहल के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा एवं सांसद रूप कुमारी चौधरी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े कार्यों के लिए वे आगे भी शासन के समक्ष लगातार मांग रखते रहेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि संबलपुर. बोडरा. बलियारा.भोथली.छाती मार्ग के चौड़ीकरण की स्वीकृति जल्द प्राप्त होगी। स्वीकृति के बाद वर्षों से इस मांग को लेकर प्रयास कर रहे ग्रामीणों का इंतजार खत्म होगा और क्षेत्र में सड़क सुविधा का विस्तार होने से विकास की नई राह खुलेगी।

संक्षिप्त समाचार

गौ-तस्करी करते दो आरोपी गिरफ्तार ,माजदा वाहन से 10 पशु बरामद

रायपुर। राजधानी रायपुर में डीडी नगर थाना पुलिस ने गौ-तस्करी के खिलाफकार्रवाई करते हुए पशुओं से भरे एक माजदा वाहन को पकड़ा है। वाहन में गाय और बछड़ों समेत कुल 10 पशुओं को ठूंसकर ले जाया जा रहा था। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों के पास पशुओं के परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज नहीं थे। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने संदिग्ध माजदा वाहन को रोककर तलाशी ली, जिसमें बड़ी संख्या में पशु बेहद खराब तरीके से ठूंसकर रखे मिले। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान खिलेश यादव और रविन्द्र सिंह को गिरफ्तार किया है। दोनों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर वाहन को भी जब्त कर लिया गया है। बरामद पशुओं को सुरक्षित बाहर निकालकर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि पशुओं को कहां से लाया गया था और उन्हें कहां ले जाया जा रहा था। साथ ही मामले में किसी बड़े तस्करी नेटवर्क की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है।

ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत, गुस्साई भीड़ ने किया चक्काजाम

रायपुर। जिले के बांकीमोंगरा क्षेत्र में सोमवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। बांकीमोंगरा के चांदनी चौक के पास तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों युवक ट्रेलर के नीचे आ गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोग और परिजन जुट गए। हादसे से आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने सड़क पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। इसके चलते रोंगा-बांकीमोंगरा मार्ग पर कई घंटे तक आवागमन बाधित रहा और सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। चक्काजाम की सूचना मिलते ही नायब तहसीलदार अमरदीप आंचल और बांकीमोंगरा थाना प्रभारी जितेंद्र यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों और परिजनों से बातचीत कर उन्हें समझाने का प्रयास किया। ग्रामीणों ने चांदनी चौक पर लगातार हो रहे सड़क हादसों को देखते हुए स्पीड ब्रेकर लगाने, तेज रफ्तार वाहनों पर प्रभावी नियंत्रण करने और यातायात सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग पर भारी वाहनों की आवाजाही अधिक है।

रायपुर में खुले नाले ने ली 4 साल के मासूम की जान, 500 मीटर बहने के बाद मिला शव

रायपुर। 2000 करोड़ों से अधिक बजट वाले नगर निगम रायपुर में 4 साल के मासूम की नाले में गिरने से मौत हो गई. गली में खेलने के दौरान वह अचानक नाले में गिर गया और करीब 500 मीटर दूर पुलिस के पास बहते हुए चला गया. घटना के दौरान बड़ी बहन से पास के दुकानदार को मदद के लिए बुलाने के बजाए अपनी मां को बुलाने चली गई. नाले से निकाले जाने के बाद बच्चे को अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. पूरी घटना राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र के महात्मा गांधी नगर की है. जानकारी के मुताबिक, सोमवार को गली में चार साल का काव्यांश साहू 4-5 बच्चों के साथ खेल रहा था. बारिश के कारण गली में पानी भर गया था.

प्रदेश के सभी संभागों की टॉपर बेटियों को किया सम्मानित, प्रदान की स्कॉलरशिप

रोजगार के नए अवसरों से संवर रहा छत्तीसगढ़ के बच्चों का भविष्य

- शिक्षा विकास का मूलमंत्र, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ नई पीढ़ी को आधुनिक तकनीक से जोड़ रही राज्य सरकार

रायपुर/ संवाददाता

शिक्षा किसी भी समाज और राज्य के विकास का मूल आधार है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा बच्चों को आगे बढ़ने का अवसर देती है और रोजगार उनके सपनों को साकार करने का मजबूत आधार बनता है। छत्तीसगढ़ सरकार उत्कृष्ट शिक्षा, आधुनिक तकनीक और रोजगार के नए अवसरों के माध्यम से प्रदेश के बच्चों और युवाओं का भविष्य संवारने के लिए प्रतिबद्ध है। गांवों से लेकर सुदूर वनांचलों तक बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के साथ ही उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं और भविष्य की तकनीक के लिए तैयार किया जा रहा है।मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर के जोरा स्थित एक निजी होटल में आयोजित आईबीसी24 'स्वर्ण शारदा स्कॉलरशिप 2026' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने टॉपर बेटियों को सम्मानित कर उन्हें स्कॉलरशिप प्रदान की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि इन बेटियों की उपलब्धि उनके परिवार और विद्यालय के साथ पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है। कठिन परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के बल पर हमारी बेटियां हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। कार्यक्रम में कक्षा बारहवीं की परीक्षा में पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली बेमेतरा की ओमनी वर्मा को मुख्यमंत्री श्री साय ने एक लाख रुपए का चेक और

सम्मान पत्र प्रदान किया। उनके विद्यालय स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम कन्या विद्यालय, बेमेतरा को भी एक लाख रुपए की राशि का चेक प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले विशिष्टजनों का सम्मान किया तथा बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने पर केंद्रित पुस्तक 'मेधा' का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रतिभावान विद्यार्थियों से संवाद करते हुए अपने विद्यार्थी जीवन की स्मृतियां साझा कीं। उन्होंने कहा कि होनहार बेटियों के बीच आकर उन्हें अपने बचपन के दिन याद आ रहे हैं। उनकी प्रारंभिक शिक्षा गृहग्राम बगिया की प्राथमिक शाला में हुई। पांचवीं बोर्ड की परीक्षा देने के लिए उन्हें अपने गांव से कुछ दूर दूसरे गांव जाना पड़ा था। उस समय गांव के स्कूल का भवन मिट्टी का था और उसकी मरम्मत में गांव के लोग मिलकर सहयोग करते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ ने राज्य निर्माण के 25 वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। आज प्रदेश में स्कूल से लेकर उच्च शिक्षा तक संस्थानों का व्यापक नेटवर्क विकसित हुआ है। प्रत्येक विकासखंड में महाविद्यालय उपलब्ध हैं। आईआईटी, आईआईएम और एम्स जैसे राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित संस्थान आज छत्तीसगढ़ में संचालित हैं। इससे प्रदेश के बच्चों को अपने राज्य में ही उच्च गुणवत्ता की शिक्षा के बेहतर अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर में शांति की स्थापना के साथ शिक्षा का नया अध्याय भी शुरू हो रहा है। जगरगुंडा और ओरछा जैसे क्षेत्रों में एजुकेशन सिटी की शुरुआत की जा रही है। जिन इलाकों में कभी परिस्थितियों के कारण शिक्षा तक पहुंच चुनौतीपूर्ण थी, वहां अब बच्चों के लिए बेहतर शैक्षणिक अधोसंरचना और अवसर विकसित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास केवल शैक्षणिक संस्थान स्थापित करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को उनकी प्रतिभा के अनुरूप आगे बढ़ने के लिए आवश्यक सुविधाएं और वातावरण उपलब्ध कराना भी है। प्रदेश में 34 स्थानों पर नालंदा परिसर विकसित किए जा रहे हैं, जहां युवाओं को शांत और सुविधायुक्त वातावरण में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि देश की राजधानी नई दिल्ली में छत्तीसगढ़ के जनजातीय युवाओं के लिए 200 बिस्तरों वाला ट्राइबल यूथ हॉस्टल संचालित किया जा रहा है। यहां विद्यार्थियों को आवश्यक सुविधाएं नि:शुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस वर्ष यहां रहकर तैयारी करने वाले 13 विद्यार्थियों ने संघ लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण की है।

पुलिस ने स्कूल में चलाया जागरूकता अभियान.....

रायपुर। यातायात पुलिस ने नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने से रोकने और विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से पी.एम. स्वामी आत्मानंद स्कूल, दुर्गावती चौक में यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई। पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार यादव के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार एवं अमित पटेल के मार्गदर्शन में जिले में सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति आमजन को जागरूक करने का अभियान चलाया जा रहा है। कार्यक्रम में यातायात प्रभारी एवं रक्षित निरीक्षक महेश्वर सिंह के नेतृत्व में यातायात पुलिस टीम उपस्थित रही। रक्षित निरीक्षक सिंह ने विद्यार्थियों को यातायात नियमों की जानकारी देते हुए विशेष रूप से नाबालिगों द्वारा दोपहिया एवं चारपहिया वाहन चलाने से होने वाले जोखिम, सड़क दुर्घटनाओं की संभावना और अभिभावकों की जिम्मेदारी के बारे में समझाइश दी। विद्यार्थियों को बताया गया कि नाबालिग अवस्था में वाहन चलाना उनके जीवन के लिए गंभीर जोखिम पैदा कर सकता है और कानूनन भी दंडनीय है। इस दौरान बच्चों को हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, यातायात संकेतों का पालन करने तथा बिना वैध लाइसेंस वाहन नहीं चलाने के लिए प्रेरित किया गया। यातायात पुलिस ने अभिभावकों से अपील की कि वे किसी भी परिस्थिति में अपने नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने की अनुमति न दें।

वन धन विकास केंद्र से आत्मनिर्भर बनीं की पीवीटीजी की महिलाएं.....

- पीएम-जनमन योजना और शासकीय सहयोग से हर्बल उत्पादों के निर्माण से बढ़ी महिलाओं की आय

रायपुर/ संवाददाता

वन धन केंद्र प्रधानमंत्री जन मन योजना का एक प्रमुख हिस्सा है। इसका मुख्य उद्देश्य वनों से मिलने वाली उपज का सही उपयोग करके आदिवासी लोगों और ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। वनों की उपज (जैसे इमली, महुआ, आंवला, शहद और जड़ी-बूटियाँ) को इकट्ठा करने और उन्हें बेहतर बनाने का काम

करता है। छत्तीसगढ के गरियाबंद जिले के केशोडार गांव की विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) की महिलाओं ने मेहनत, प्रशिक्षण और शासकीय योजनाओं के सहयोग से आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम की है। वन धन विकास केंद्र सहकारी समिति, केशोडार से जुड़ी महिलाएं अब स्थानीय वन उपज से हर्बल और औषधीय उत्पाद तैयार कर अपनी आजीविका मजबूत कर रही हैं। प्रधानमंत्री जनमन (पीएम-जनमन) योजना के माध्यम से पीवीटीजी परिवारों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने और उनकी आजीविका के अवसर बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी दिशा में छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ और ट्राइफेड के सहयोग से केशोडार वन धन विकास केंद्र में महिलाओं को प्रशिक्षण, आधुनिक मशीनरी और बाजार उपलब्ध कराने की पहल की गई है। वन मंत्री श्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में वनवासियों और विशेष जनजातीय समूहों की महिलाओं की आय बढ़ाने के लिए वनोपज के मूल्य संवर्धन और बेहतर विपणन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसका सीधा लाभ केशोडार की महिलाओं को मिल रहा है।

कृषक उन्नति योजना से बदली किसान दिलीप की तकदीर

- आधुनिक कृषि यंत्रों से संवार रहे क्षेत्र की खेती
- दो पैडी ट्रांसप्लांटर से सैकड़ों एकड़ में किसानों को उपलब्ध करा रहे मशीनरी की सुविधा

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन की किसान हितैषी कृषक उन्नति योजना किसानों की आय को मजबूत करने के साथ उन्हें आधुनिक और लाभकारी खेती की दिशा में आगे बढ़ा रही है। योजना से प्राप्त बेहतर आय का उपयोग कर किसान न केवल अपनी खेती का स्वरूप बदल रहे हैं, बल्कि आसपास के किसानों को भी आधुनिक कृषि तकनीक का लाभ उपलब्ध करा रहे हैं। बालोद जिले के ग्राम बोड़ेना निवासी प्रगतिशील किसान श्री दिलीप कुमार साहू इसकी प्रेरणादायी मिसाल हैं। श्री दिलीप कुमार साहू ने कृषक उन्नति योजना के तहत 3,100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान का विक्रय किया। धान से प्राप्त बेहतर आय का उपयोग उन्होंने पारंपरिक खेती को आधुनिक तकनीक से जोड़ने में किया। खेती की लागत कम करने, श्रम की आवश्यकता घटाने और समय पर रोपाई पूरी करने के उद्देश्य से उन्होंने पैडी ट्रांसप्लांटर (धान रोपाई मशीन) खरीदी। उन्होंने अपने 28 एकड़ खेत में मशीन के माध्यम से धान की रोपाई कराई। मशीन से कम समय और सीमित मानव श्रम में बड़े रकबे में रोपाई पूरी होने से खेती की लागत में कमी आई। साथ ही मशीन द्वारा पौधों के बीच निर्धारित एवं समान दूरी बनाए रखने से फसल के बेहतर विकास और अधिक उत्पादन की संभावना भी बढ़ी है। दिलीप कुमार की आधुनिक तकनीक से खेती का परिणाम देखकर आसपास के किसानों में भी पैडी ट्रांसप्लांटर के प्रति रुचि बढ़ी। किसानों की बढ़ती मांग को देखते हुए उन्होंने अब दो पैडी ट्रांसप्लांटर मशीनें उपलब्ध कर ली हैं। वे अपने गांव के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों में किसानों के सैकड़ों एकड़ खेतों में समय पर धान रोपाई का कार्य कर रहे हैं। इससे क्षेत्र के किसानों को मजदूरों की कमी के बीच बड़ी राहत मिल रही है। किसानों को आधुनिक कृषि यंत्र अपने गांव और आसपास के क्षेत्र में ही उपलब्ध होने से समय और श्रम दोनों की बचत हो रही है। किसान दिलीप कुमार साहू का अनुभव बताता है कि सरकारी योजनाओं से प्राप्त आर्थिक मजबूती का उपयोग यदि कृषि में तकनीकी निवेश के लिए किया जाए तो किसान स्वयं आत्मनिर्भर बनने के साथ दूसरे किसानों के लिए भी अवसर तैयार कर सकता है। पैडी ट्रांसप्लांटर जैसी मशीनों के उपयोग से धान की खेती अधिक समयबद्ध, श्रम-कुशल और वैज्ञानिक हो रही है। किसान श्री दिलीप कुमार साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की कृषक उन्नति योजना ने किसानों की मेहनत को बेहतर आर्थिक आधार प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि योजना से मिली आय को खेती के आधुनिकीकरण में लगाकर उन्होंने न केवल अपनी खेती को आसान बनाया, बल्कि अब क्षेत्र के अन्य किसानों को भी आधुनिक कृषि यंत्रों की सुविधा उपलब्ध करा रहे हैं।

परियोजना निर्माण एवं क्रियान्वयन समिति की बैठक सम्पन्न-मुख्य सचिव

रायपुर/ संवाददाता

मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय महानदी भवन में परियोजना निर्माण एवं क्रियान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में नवा रायपुर अटल विकास प्राधिकरण (एनआरडीए) एवं लोक निर्माण विभाग से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण परियोजनाओं के प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा एवं विचार-विमर्श किया गया। बैठक में एनआरडीए के अंतर्गत कंप्लायंट बैटरी ऑपरेटेड मोटर एसी-ई बसों के डिजाइन, प्रोक्योरमेंट, सप्लाई, परिचालन एवं संधारण के लिए ग्रॉस कॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट के आधार पर निविदा आमंत्रित किए जाने के प्रस्ताव पर विस्तृत चर्चा हुई। परियोजना के विभिन्न तकनीकी एवं क्रियान्वयन संबंधी पहलुओं की समीक्षा की गई। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण के कार्यालय सहित अन्य कार्यालय भवनों के निर्माण कार्य से संबंधित प्रस्ताव पर भी विचार-विमर्श किया गया। अधिकारियों ने परियोजना की आवश्यकताओं एवं निर्माण से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी समिति के समक्ष प्रस्तुत की। लोक निर्माण विभाग द्वारा जिला रायगढ़ के अंतर्गत रायगढ़-पूंजीपथरा-घरघोड़ा फेरलेन मार्ग के निर्माण संबंधी प्रस्ताव पर भी बैठक में विस्तार से चर्चा हुई। लगभग 37 किलोमीटर लंबाई वाले इस मार्ग के निर्माण से संबंधित तकनीकी पहलुओं की समीक्षा की गई। अधिकारियों द्वारा परियोजना के लिए प्रभावित भूमि के अर्जन, भूमि व्यपवर्तन तथा निर्माण कार्य की तैयारियों की जानकारी दी गई। बैठक में जिला जांजगीर-चांपा के अंतर्गत लगभग 6.70 किलोमीटर लंबाई वाले अकलतरा बायपास मार्ग के निर्माण कार्य के प्रस्ताव पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

चोरी के 5 बाइक बरामद एक आरोपी गिरफ्तार हुए

रायपुर। जिले में वाहन चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे सजग कोरबा, सतर्क कोरबा अभियान के तहत कोरबा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस सहायता केंद्र मानिकपुर की टीम ने मोटरसाइकिल चोरी के मामले का खुलासा करते हुए कोरबा और रायगढ़ जिले से चोरी की गई 5 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि उसका साथी पहले से ही जिला जेल कोरबा में बंद है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी की पहचान गौरव नायक (20 वर्ष), निवासी मुड़पार, कोरबा के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपी ने अपने साथी कौवा उर्फ फैजान के साथ मिलकर अलग-अलग स्थानों से मोटरसाइकिल चोरी करने की बात स्वीकार की है। आरोपी ऐसे स्थानों की तलाश करते थे, जहां लोग अपनी मोटरसाइकिल सुनसान जगहों पर खड़ी करके चले जाते थे। इसके बाद मौका पाकर बाइक का हैंडल लॉक तोड़कर उसे चोरी कर लिया जाता था। पूछताछ में यह भी सामने आया कि आरोपी का साथी कौवा उर्फ फैजान मास्टर चाबी की मदद से मोटरसाइकिल को ऑन करता था। इसके बाद दोनों चोरी की बाइक लेकर मौके से फरार हो जाते थे। मामले में शामिल आरोपी कौवा उर्फफैजान वर्तमान में एक अन्य मारपीट के मामले में जिला जेल कोरबा में निरुद्ध है। पुलिस ने उसके खिलाफ भी इस मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने प्रेस-कॉन्फ्रेंस में लोक निर्माण विभाग के कार्यों की दी जानकारी

12,666 करोड़ के 1572 कार्यों को मिली प्रशासकीय स्वीकृति

- लोक निर्माण से छत्तीसगढ़ निर्माण' के मूलमंत्र के साथ अधोसंरचना विकास को दे रहे नई गति श्री अरुण साव
- इनमें सड़कों के 1285, पुलों के 247 और भवन निर्माण के 42 कार्य शामिल

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव ने आज प्रेस-कॉन्फ्रेंस में लोक निर्माण विभाग के कार्यों, उपलब्धियों तथा आगामी कार्ययोजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने नवा रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ संवाद ऑडिटोरियम में आयोजित प्रेस-कॉन्फ्रेंस में कहा कि राज्य का सबसे बड़ा निर्माण विभाग लोक निर्माण विभाग छत्तीसगढ़ के विकास का आधार है। सड़कों, पुलों और भवनों के निर्माण के साथ विभागीय कार्यों में तेजी और प्रशासनिक कसावट लाने के लिए विभाग लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि दिसम्बर-2023 में सरकार बनने के बाद से अब तक लोक निर्माण विभाग को निर्माण कार्यों के लिए बड़े पैमाने पर प्रशासकीय स्वीकृतियां मिली हैं। लोक निर्माण विभाग के सचिव श्री मुकेश कुमार बंसल, प्रमुख अभियंता श्री वी.के. भतपहरी और अपर सचिव श्री एस.एन. श्रीवास्तव भी प्रेस-कॉन्फ्रेंस में मौजूद थे। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव ने प्रेस-कान्फ्रेंस में बताया कि पिछले ढाई वर्षों में विभाग को 12 हजार 666 करोड़ रुपए से अधिक के लागत के कुल 1572 कार्यों के लिए प्रशासकीय स्वीकृतियां मिली हैं। इसमें सड़क निर्माण के 1285, पुलों के 247 और भवन निर्माण के 42 कार्य शामिल हैं। वित्तीय वर्ष 2023-24 में दिसम्बर-2023 से मार्च-2024 तक 80 कार्यों के लिए 551 करोड़ 42 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई। इनमें 374 किमी लंबाई की 72 सड़कें, 6 पुल और दो भवन शामिल हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 2590 करोड़ 70 लाख रुपए लागत के कुल 438 कार्यों के लिए की स्वीकृति दी गई। इनमें 1465 किमी लंबाई की 400 सड़कें, 37

पुल और एक भवन शामिल हैं। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 लोक निर्माण विभाग के लिए ऐतिहासिक रहा। विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए इस वर्ष 9129 करोड़ 18 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति मिली, जो राज्य निर्माण के बाद पिछले 25 वर्षों के इतिहास में विभाग को मिली सर्वाधिक स्वीकृति है। इस वित्तीय वर्ष में 5129.60 किमी लंबाई की 754 सड़कों, 200 पुलों और 39 भवनों सहित कुल 993 कार्यों को मंजूरी दी गई। चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 में 10 अगस्त तक विभाग को 608 करोड़ रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति मिल चुकी है। इसमें 608.20 किमी लंबाई की 59 सड़कें और दो पुलों के निर्माण शामिल हैं। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने बताया कि पिछले ढाई वर्षों में विभाग में कार्यों की गति बढ़ाने के साथ-साथ प्रशासनिक ढांचे को भी मजबूत किया गया है। बेहतर संचालन और प्रशासनिक कसावट के लिए सात नए संभागीय कार्यालय और 12 नए उप संभागीय कार्यालय शुरू किए गए हैं। इससे निर्माण कार्यों की निगरानी और स्वीकृत कार्यों के क्रियान्वयन में तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि विभाग की प्राथमिकताओं में लंबित अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों का निराकरण भी शामिल है। श्री साव ने बताया कि लोक निर्माण विभाग की कार्यप्रणाली को अधिक सरल, पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने के लिए जल्द ही 'वमिस' लागू किया जाएगा। इस प्रणाली से डीपीआर तैयार करने से लेकर कार्य की स्वीकृति और अन्य प्रक्रियाएं ऑनलाइन और एकीकृत प्रणाली से संचालित होंगी। इससे वर्तमान में विभागीय प्रक्रियाओं में लगने वाले लंबे समय को कम किया जा सकेगा और निर्माण कार्यों को तेजी से धरातल पर उतारा जा सकेगा। उन्होंने कहा कि तकनीक के उपयोग से विभागीय कामकाज में सुगमता के साथ गुणवत्ता और निगरानी में भी सुधार होगा। हम राज्य में लोक निर्माण से छत्तीसगढ़ निर्माण के मूलमंत्र के साथ अधोसंरचना विकास को नई गति देने लगातार सक्रियता से काम कर रहे हैं।

संपादकीय

नेताओं की सुरक्षा पर बड़ा सवाल, हिंसक हमलों ने बढ़ाई सियासी चिंता

सुखबीर सिंह बादल पर उस वक्त हमला हुआ, जब वे महाराष्ट्र के नांदेड़ स्थित एक गुरुद्वारे में गए थे। हैरत इस बात की है कि सुखबीर को 'जेड प्लस' श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त होने के बावजूद हमलावर उनके इतने करीब कैसे पहुंच गया? गुरुवार, 13 अगस्त, 2026 को महाराष्ट्र के नांदेड़ ज़िले में एक गुरुद्वारे के पास हमले के बाद, अकाली दल के प्रमुख और पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम सुखबीर सिंह बादल को अपने दाहिने हाथ पर कपड़ा लपेटे हुए एक इमारत के अंदर जाते देखा गया। एक सप्ताह के भीतर अलग-अलग राजनीतिक दलों के दो नेताओं पर जिस तरह से हिंसक हमले हुए हैं, उससे सियासी गलियारों में एक अलग तरह की चिंता पैदा हो गई है। हाल में तृणमूल कांग्रेस प्रमुख एवं पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की कार पर भीड़ का हमला और अब शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष एवं पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल पर किरपाण से वार करने की घटनाओं ने प्रमुख नेताओं की निजी सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।सरकार की ओर से ऐसे नेताओं को सुरक्षा मुहैया कराई जाती है, लेकिन सुरक्षा का यह घेरा क्या इतना कमजोर होता है कि कोई भी उसमें सेंध लगा सकता है? सवाल यह भी है कि क्या हिंसा या प्रतिशोध से किसी समस्या का समाधान हो सकता है? किसी भी राजनीतिक दल या उसके नेता के विचारों एवं कार्यों से असहमति व्यक्त की जा सकती है, लेकिन इसे तभी उचित ठहराया जा सकता है, जब यह नियम-कानून की सीमा के दायरे में हो।गौरतलब है कि सुखबीर सिंह बादल पर बीते गुरुवार को उस वक्त हमला हुआ, जब वे महाराष्ट्र के नांदेड़ स्थित एक गुरुद्वारे में गए थे। एक शख्स ने अचानक किरपाण से उन पर हमला कर दिया, जिससे वे घायल हो गए। हालांकि बाद में पुलिस कर्मियों ने हमलावर को गिरफ्तार कर लिया, लेकिन हैरत इस बात की है कि सुखबीर को 'जेड प्लस' श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त होने के बावजूद हमलावर उनके इतने करीब कैसे पहुंच गया? यह पहली बार नहीं है जब उन पर इस तरह का हमला हुआ है, वर्ष 2024 में भी स्वर्ण मंदिर में उन पर जानलेवा हमला हुआ था। पुलिस के मुताबिक, नांदेड़ गुरुद्वारे में हमले का आरोपी वहां दो साल से सेवादार के रूप में काम कर रहा था। इस घटना को लेकर पुलिस जांच में तेजी और गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि एक दिन बाद भी हमले के असली कारणों का पता नहीं चल पाया है।पंजाब में अगले वर्ष विधानसभा चुनाव होने हैं और ऐसे में सुरक्षा की दृष्टि से भी यह घटना बेहद संवेदनशील है। राज्य में अलगाववादी ताकतें फिर से सिर न उठा पाएं, इसकी जिम्मेदारी केंद्र और राज्य सरकार दोनों की है।

तप- धैर्य, साधना और श्रेष्ठता की अनदेखी ताकत

तप का अर्थ है स्वेच्छा और प्रसन्नतापूर्वक कष्ट स्वीकार करना। यही भावना साधारण कष्ट को आनंद और आत्म-विकास का माध्यम बना देती है। भारतीय संस्कृति में तप एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण मूल्य रहा है। इसका संबंध केवल धार्मिक साधना से नहीं बल्कि अपनी गुणवत्ता में वृद्धि, परोपकार और किसी उच्च उद्देश्य की प्राप्ति के लिए स्वेच्छा से शारीरिक और मानसिक कष्ट सहने से है। भगीरथ, ध्रुव, दधीचि, महावीर और बुद्ध जैसे महापुरुषों से लेकर रामकृष्ण परमहंस, महर्षि रमण, महात्मा गांधी, विनोबा भावे, मार्टिन लूथर किंग और नेल्सन मंडेला तक अनेक व्यक्तित्व तप के आदर्श रहे हैं।

(सदाशिव श्रेत्रिय)

तप का अर्थ है स्वेच्छा और प्रसन्नतापूर्वक कष्ट स्वीकार करना। यही भावना साधारण कष्ट को आनंद और आत्म-विकास का माध्यम बना देती है। भारतीय संस्कृति में तप एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण मूल्य रहा है। इसका संबंध केवल धार्मिक साधना से नहीं बल्कि अपनी गुणवत्ता में वृद्धि, परोपकार और किसी उच्च उद्देश्य की प्राप्ति के लिए स्वेच्छा से शारीरिक और मानसिक कष्ट सहने से है। भगीरथ, ध्रुव, दधीचि, महावीर और बुद्ध जैसे महापुरुषों से लेकर रामकृष्ण परमहंस, महर्षि रमण, महात्मा गांधी, विनोबा भावे, मार्टिन लूथर किंग और नेल्सन मंडेला तक अनेक व्यक्तित्व तप के आदर्श रहे हैं। ऐसे अनेक तपस्वी भी हुए हैं, जिन्हें व्यापक प्रसिद्धि नहीं मिली, पर जिन्होंने अपना जीवन समाज के लिए समर्पित कर दिया।तप का अर्थ है स्वेच्छा और प्रसन्नतापूर्वक कष्ट स्वीकार करना। यही भावना साधारण कष्ट को आनंद और आत्म-विकास का माध्यम बना देती है। सोने को तपाने से जैसे उसकी चमक बढ़ती है, वैसे ही तप मनुष्य के व्यक्तित्व को निखारता है। संगीत, योग, साहित्य, भक्ति और समाज सेवा जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्टता का आधार भी दीर्घकालीन तप ही रहा है। पंडित रविशंकर ने अपनी आत्मकथा में अपने गुरु उस्ताद अलाउद्दीन खां के कठोर अभ्यास का जो वर्णन किया है, वह बताता है कि किसी क्षेत्र में सिद्धि बिना तप के संभव नहीं।

तप के ऐसे पक्ष जिन पर कम ध्यान दिया जाता

तप के दो ऐसे पक्ष हैं जिन पर आज कम ध्यान दिया जाता है। पहला, तप के लिए समय चाहिए, जबकि आज अधिकांश लोग शीघ्र परिणाम चाहते हैं। दूसरा, तप का सबसे बड़ा प्रभाव व्यक्ति के भीतर होता है, जो बाहर से तुरंत दिखाई नहीं देता। आज सफलता का मूल्यांकन लोकप्रियता, धन और बाजार की कसौटी पर होने लगा है। जबकि श्रेष्ठता और लोकप्रियता हमेशा एक-दूसरे की पर्याय नहीं होतीं। पतंजलि के योगसूत्र में तप को 'नियम' का आवश्यक अंग माना गया है और क्रियायोग के तीन प्रमुख तत्वों- तप, स्वाध्याय और ईश्वर-प्रणिधान में उसको स्थान दिया गया है। इससे स्पष्ट है कि भारतीय चिंतन में तप केवल व्यक्तिगत साधना नहीं, बल्कि आत्म-विकास का अनिवार्य साधन रहा है।

तप का भाव लंबे समय तक विविध रूपों में विद्यमान रहा

हमारे समाज में तप का भाव लंबे समय तक विविध रूपों में विद्यमान रहा। उपवास, व्रत, सेवा, अनुशासन और त्याग उसी के रूप हैं। माता-पिता बच्चों को दूसरों के लिए कष्ट उठाने की शिक्षा देते थे, शिक्षक अपने शिष्यों को विषय के गहन अध्ययन के लिए प्रेरित करते थे और विद्यार्थी आज की तरह किन्हीं दर्ज बिंदुओं पर आश्रित न रह कर मूल ग्रंथों का अध्ययन करते थे। सेवा को भी तप का रूप माना जाता था।

एक परिचित ने अपने वृद्ध माता-पिता की सेवा को जीवन का प्रमुख दायित्व माना जबकि उसके अन्य भाइयों ने उसमें विशेष रुचि नहीं ली। यह सेवा-तप का एक प्रेरक उदाहरण था। किसी उद्देश्य के प्रति समर्पण और उसके लिए धैर्य का धारण भी तप ही है। कई लोग किसी लक्ष्य का निर्धारण तो कर लेते हैं, लेकिन उसे प्राप्त करने के लिए जिस मार्ग पर चलना पड़ता है, उस पर चलने का धैर्य नहीं रखते। ऐसे में मन में जिस तरह की हड़बड़ी या जल्दी मचती है, उसके नतीजे में या तो लक्ष्य की ओर का यह सफर अधूरा रह जाता है या फिर व्यक्ति रास्ता भटक कर कहीं और पहुंच जाता है।

आज तप-भाव तेजी से क्षीण होता जा रहा

इसके बाद एक समस्या और आती है। अपनी चूक पर गौर नहीं करने के बाद या तो लक्ष्य को या फिर रास्ते को कठघरे में खड़ा किया जाता है। जबकि सच यह है कि आज तप-भाव तेजी से क्षीण होता दिखाई देता है। आलस्य, आरामतलबी और त्वरित सफलता की इच्छा बढ़ रही है। विद्यार्थी गहन अध्ययन के स्थान पर संक्षिप्त रास्ता खोजते हैं। त्याग, सादगी, मितव्ययिता और तप जैसे मूल्य पहले जितने आदरणीय नहीं रहे। जीवन का आदर्श अधिक से अधिक सुविधा प्राप्त करना बनता जा रहा है। इस सुविधा-प्रधान जीवनशैली को ही प्रतिष्ठा का प्रतीक माना जाने लगा है।

कुछ लोग तकनीकी प्रगति, उपभोक्तावाद और परिवार-संरचना में परिवर्तन को इसका कारण मानते हैं, लेकिन इसका सबसे बड़ा कारण पूंजीवादी अर्थव्यवस्था है। यह व्यवस्था व्यक्ति को इतना धन अर्जित करने के लिए प्रेरित करती है कि भविष्य में बिना श्रम के जीवनयापन संभव हो सके।परिणामस्वरूप सुखवाद और आरामतलबी बढ़ती है और तप का महत्त्व घटता जाता है। बिना परिश्रम अधिक आय प्राप्त करने के प्रलोभन देने वाली अनेक योजनाएं इसी मानसिकता का उदाहरण हैं।

गीता में क्या है राजसी तप?

आज अगर व्यक्ति कठिन परिश्रम भी करता है तो आमतौर पर उसका उद्देश्य धन, पद या सत्ता प्राप्त करना होता है। गीता की भाषा में इसे राजसी तप कहा जा सकता है, पर यह सात्विक तप नहीं है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में किया गया कठोर श्रम भी अक्सर भविष्य के व्यक्तिगत लाभ का निवेश होता है। उसमें आत्मिक उन्नति, चरित्र-निर्माण या लोक-कल्याण का भाव अनिवार्य रूप से उपस्थित नहीं होता।

तप के अभाव में मनुष्य की गुणवत्ता का भी ह्रास होता है। केवल आर्थिक सफलता के लिए किया गया परिश्रम किसी व्यक्ति को संयमी, इंद्रियनिग्रही और निस्वार्थ नहीं बना सकता। जब समाज में तप का आदर्श कमजोर पड़ता है, तब मनुष्य स्वयं भी अधिक उपयोगी और संवेदनशील नहीं रह जाता। यह भी विचारणीय है कि कहीं हमारी दुनिया इतनी असंवेदनशील तो नहीं होती जा रही कि किसी के त्याग और कष्ट से न प्रेरणा मिलती है, न करुणा।

अगर समाज को दीर्घकालीन नैतिक और मानवीय शक्ति चाहिए, तो तप को फिर से एक आदर्श मूल्य के रूप में प्रतिष्ठित करना होगा।

तप केवल कष्ट सहने का नाम नहीं, बल्कि स्वयं को श्रेष्ठ बनाने और व्यापक हित के लिए समर्पित करने की वह साधना है, जिसके बिना व्यक्ति और समाज दोनों का वास्तविक उत्थान संभव नहीं।

क्या भारत अब वैश्विक टेक कंपनियों के लिए 'नियम मानो या रास्ता छोड़ो' वाला संदेश दे रहा है?

(कमलेश पांडे)

ऐसे में सीधा सवाल है कि आखिर सरकार ने मेटा को क्यों चेताया? वस्तुतः इसके मुख्यतः चार कारण सामने आए हैं- पहला, पीएम मोदी के वीडियो को हटाना – जुलाई 2026 में प्रधानमंत्री का युवाओं से जुड़ा वीडियो अस्थायी रूप से फेसबुक से हट गया। मेटा ने इसे आपरेशन एरर बताया, लेकिन सरकार ने स्पष्टीकरण को संतोषजनक नहीं माना।

भारत सरकार ने इंस्टाग्राम, वाट्सएप और फेसबुक का संचालन करने वाली कंपनी मेटा की मनमानी को अब नियंत्रित करने का निर्णय लिया है। इसी के दृष्टिगत उसे यह चेतावनी भी दी है कि उसे भारतीय कानूनों का पालन करना ही होगा। यही नहीं, सरकार ने मेटा से अपने एल्गोरिदम को लेकर भी जवाब तलब किया है।

इसका तात्पर्य है कि अब मेटा को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस सरकारी निर्देश का वास्तव में पालन हो, क्योंकि मेटा अथवा अन्य इंटरनेट मीडिया कंपनियां एलगोरिदम का मनमाना उपयोग करती हैं। एआइ के आगमन के बाद उनके लिए ऐसा करना और आसान हो गया है। इसलिए सवाल उठने लगे हैं कि क्या भारत अब वैश्विक टेक कंपनियों के लिए 'नियम मानो या रास्ता छोड़ो' वाला संदेश दे रहा है?

वस्तुतः वैश्विक इंटरनेट कंपनियां एक विशेष एजेंडे का प्रचार-प्रसार करती हैं। अब इंटरनेट मीडिया कंपनियां यह सुनिश्चित कर रही हैं कि लोग क्या देखें और क्या नहीं? मसलन, ऐसा करके वे लोगों के स्वस्थ चिंतन को प्रभावित कर रही हैं। चिंताजनक पहलू यह है कि यह सब काम प्रायः संकीर्ण अंतर्राष्ट्रीय उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किया जाता है ताकि भारतीय हित प्रभावित होता रहे और कम्पनियों के लिए लाभदायक स्थिति निर्मित होती रहे।

यह एक तथ्य है कि इंटरनेट कंपनियां कई देशों में चुनावों को प्रभावित करने का काम कर चुकी हैं। वे ऐसा भारत में भी कर चुकी हैं और इसका पता कैंब्रिज एनालिटिका मामले से चलता है। वैसे तो इंटरनेट मीडिया कंपनियां अपने को-सोशल मीडिया कहती हैं, लेकिन सच यह है कि वे असामाजिक और अराजक तत्वों को भी प्रोत्साहन प्रदान करती हैं। वे ध्रुवीकरण के साथ ही सामाजिक विभाजन की खाई भी चौड़ी कर रही हैं।

अलबत्ता, कई बार वे अपने गलत इरादों की पूर्ति करती हुई पाई गई हैं। पहले हर बार वे माफी मांगकर बच निकलती हैं। लेकिन इस बार भारत सरकार ने उनकी नकेल कसी है। लिहाजा सरकार को अब केवल माफी से संतुष्ट नहीं होना चाहिए, बल्कि यदि कोई इंटरनेट मीडिया कंपनी अनुचित कार्य करती पाई जाए तो उसे वैसे ही कठोर दंड का भागीदार बनाया जाना चाहिए जैसे अनेक पश्चिमी देश समय-समय पर बनाते हैं और उन पर भारी जुर्माना लगाते हैं। अभी हाल में अमेरिका ने मेटा पर भारी जुर्माना लगाया। इसके दृष्टिगत भारत सरकार ने भी, हाल में मेटा ने प्रधानमंत्री मोदी के वीडियो को हटाने को लेकर जो माफी मांगी, उसे खारिज कर उचित ही किया। दरअसल, समस्या केवल यह नहीं कि मेटा ने किसी खास एजेंडे के तहत शरारतपूर्ण ढंग से प्रधानमंत्री के वीडियो को हटाया, बल्कि यह भी है कि उसने यह माना कि उसके प्लेटफार्म पर बाल यौन शोषण से जुड़े कंटेंट के साथ-साथ डीपफेक वीडियो को बढ़ावा दिया गया। यह भी स्वीकारा कि उसने पैसे लेकर हानिकारक सामग्री को बढ़ावा दिया। मसलन, ये सब ऐसी हरकतें हैं, जिनके लिए मेटा अथवा अन्य इंटरनेट कंपनियों को जवाबदेह बनाना अनिवार्य है।

अब यह सही समय है कि भारत सरकार मेटा एवं अन्य इंटरनेट मीडिया कंपनियों को जवाबदेह बनाने के साथ ही इस पर भी विचार करे कि आखिर विदेशी इंटरनेट मीडिया कंपनियों पर निर्भर रहना कहां तक उचित है? चूंकि सोशल मीडिया दुनिया भर में लोगों को लती/बीमार भी बना रही हैं, इसलिए इनकी बढ़ती प्रवृत्ति पर पुनर्विचार की जरूरत तो है ही!

इसी के मद्देनजर भारत सरकार की ताजा चेतावनी को लिया जाना चाहिए, जिसका का तत्काल कारण मेटा,फैसबुक द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक वीडियो कुछ समय के लिए फेसबुक से हटाया जाना है। लिहाजा, सरकार ने मेटा की यह सफाई कि वीडियो गलती से हट गया था, स्वीकार नहीं की और कहा कि मामला अभी सुलझा हुआ नहीं है।

आखिर सरकार ने मेटा को क्यों चेताया?

ऐसे में सीधा सवाल है कि आखिर सरकार ने मेटा को क्यों चेताया? वस्तुतः इसके मुख्यतः चार कारण सामने आए हैं- पहला, पीएम मोदी के वीडियो को हटाना – जुलाई 2026 में प्रधानमंत्री का युवाओं से जुड़ा वीडियो अस्थायी रूप से फेसबुक से हट गया। मेटा ने इसे आपरेशन एरर बताया, लेकिन सरकार ने स्पष्टीकरण को संतोषजनक नहीं माना। दूसरा, भारतीय कानून बनाम मेटा की ग्लोबल पालिसी – सरकार का स्पष्ट संदेश है कि भारत में काम करने वाली मेटा को अपनी वैश्विक नीतियों से ऊपर भारतीय कानूनों और नियामकीय निर्देशों का पालन करना होगा। वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक है)। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

मोदी ने माहौल ही बदल डाला, रेड कॉरिडोर से रेड कारपेट पर रैंप वाक करने लगीं पूर्व नक्सली महिलाएं

इस आयोजन का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो लोगों ने भी इसे बस्तर के बदलते चेहरे की असाधारण तस्वीर बताया। कई यूजर्स ने कहा कि कुछ वर्ष पहले तक ऐसी तस्वीर की कल्पना करना भी कठिन था। किसी ने इसे सशक्तिकरण का वास्तविक रूप बताया तो किसी ने सवाल उठाया कि ऐसी कहानियों को व्यापक प्रचार क्यों नहीं मिलता। दरअसल, रैंप पर चलती ये महिलाएं उस बदलाव की प्रतिनिधि हैं, जो दशकों तक वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित इलाकों में धीरे-धीरे जमीन पर आकार ले रहा है। बस्तर में बदलाव की सबसे बड़ी तस्वीर खेल के मैदानों से भी सामने आई है। बस्तर ओलंपिक 2025 में 3.91 लाख से अधिक खिलाड़ियों का पंजीयन हुआ। इससे भी महत्वपूर्ण यह रहा कि 700 से अधिक आत्मसमर्पित नक्सली और हिंसा से प्रभावित ग्रामीण 'नियो बात' यानी 'नया रास्ता' टीम के तहत खेलों में शामिल हुए। महिलाओं और बेटियों की भागीदारी भी लगभग तीन गुना बढ़ी। यानी जिन इलाकों में कभी बंदूकों की गूंज सुनाई देती थी, वहां अब खेलों की तालियां सुनाई दे रही हैं।

(नीरज कुमार दुबे)

कभी हथियार उठाकर चलने वाली इन महिलाओं ने आत्मसमर्पण के बाद हिंसा का रास्ता छोड़ा और समाज में लौटने का फैसला किया। आज इनमें से कई महिलाएं सामाजिक संगठनों के साथ काम कर रही हैं, नई आजीविका तलाश रही हैं और उन अवसरों को हासिल कर रही हैं, जो कभी उनके लिए दूर की बात थे।

रेड कॉरिडोर पर चलने वाले कदम अब रेड कार्पेट पर अपने जलवे बिखेर रहे हैं। कभी नक्सलियों की साथी रहने के दौरान हाथों में बंदूक थामकर बस्तर के घने जंगलों में भटकने वाली महिलाएं अब उसी आत्मविश्वास के साथ रैंप पर चल रही हैं, जहां उनके स्वागत में गोलियों की आवाज नहीं, तालियों की गड़गड़ाहट सुनाई दे रही है। रायपुर में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर आयोजित ट्राइबल फैशन शो में पूर्व महिला माओवादियों ने हाथ से बुने परिधानों में रैंप वॉक कर एक ऐसी तस्वीर पेश की, जिसकी कुछ साल पहले कल्पना भी मुश्किल थी। यह सिर्फ फैशन शो नहीं था, बल्कि बंदूक से मुख्यधारा, हिंसा से विकास और भय से आत्मविश्वास तक बस्तर की बदलती कहानी का जीवंत प्रतीक था।

कभी बस्तर के जंगलों में हथियार उठाकर चलने वाली इन महिलाओं ने आत्मसमर्पण के बाद हिंसा का रास्ता छोड़ा और समाज में लौटने का फैसला किया। आज इनमें से कई महिलाएं सामाजिक संगठनों के साथ काम कर रही हैं, नई आजीविका तलाश रही हैं और उन अवसरों को हासिल कर रही हैं, जो कभी उनके लिए दूर की बात थे। रैंप पर उनका आत्मविश्वास इस बात का संकेत है कि पुनर्वास केवल हथियार छीन लेने का नाम नहीं, बल्कि सम्मानजनक जीवन का रास्ता खोलने की प्रक्रिया है।

इस आयोजन का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो लोगों ने भी इसे बस्तर के बदलते चेहरे की असाधारण तस्वीर बताया। कई यूजर्स ने कहा कि कुछ वर्ष पहले तक ऐसी तस्वीर की कल्पना करना भी कठिन था। किसी ने इसे सशक्तिकरण का वास्तविक रूप बताया तो किसी ने सवाल उठाया कि ऐसी कहानियों को व्यापक प्रचार क्यों नहीं मिलता। दरअसल, रैंप पर चलती ये महिलाएं उस बदलाव की प्रतिनिधि हैं, जो दशकों तक वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित इलाकों में धीरे-धीरे जमीन पर आकार ले रहा है।

बस्तर में बदलाव की सबसे बड़ी तस्वीर खेल के मैदानों से भी सामने आई है। बस्तर ओलंपिक 2025 में 3.91 लाख से अधिक खिलाड़ियों का पंजीयन हुआ। इससे भी महत्वपूर्ण यह रहा कि 700 से अधिक आत्मसमर्पित नक्सली और हिंसा से प्रभावित ग्रामीण 'नियो बात' यानी 'नया रास्ता' टीम के तहत खेलों में शामिल हुए। महिलाओं और बेटियों की भागीदारी भी लगभग तीन गुना बढ़ी। यानी जिन इलाकों में कभी बंदूकों की गूंज सुनाई देती थी, वहां अब खेलों की तालियां सुनाई दे रही हैं।

शिक्षा के मोर्चे पर भी बदलाव साफ दिखाई देता है। माओवादियों द्वारा ध्वस्त या बंद कराए गए कई स्कूल फिर खुले हैं और जंगलों के बीच बच्चों की पढ़ाई दोबारा शुरू हुई है। आदिवासी युवाओं को बेहतर अवसर देने के लिए 259 एकलव्य मॉडल आवासीय स्कूल, 46 आईटीआई और 49 कौशल विकास केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं।

राज्य सरकार अब विकास को बस्तर के आखिरी छोर तक पहुंचाने पर जोर दे रही है। 'नियद नेल्लानार' योजना के तहत सुरक्षा बलों के कैंपों को 'सेवा डेरा' के रूप में इस्तेमाल कर ग्रामीणों तक राशन, बिजली, पानी और स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं। 'हर गांव रोशन' जैसी पहलों के जरिए इंद्रावती टाइगर रिजर्व जैसे दुर्गम इलाकों के 70 से अधिक गांवों तक पहली बार बिजली और सोलर लाइटिंग पहुंची है। डिस्ट्रिक्ट मिनरल फंड की राशि से आदिवासी गांवों में पक्के मकान और बुनियादी ढांचा विकसित किया जा रहा है।

साथ ही कनेक्टिविटी भी इस बदलाव की रीढ़ बन रही है। बस्तर के दुर्गम इलाकों में 11 हजार किलोमीटर से अधिक सड़कों और 1,300 से ज्यादा मोबाइल टावरों का विस्तार हुआ है। इससे ग्रामीण बाजारों, प्रशासन और देश-दुनिया से जुड़ रहे हैं। उधर, माओवाद के कमजोर पड़ने के बाद सुरक्षा बल अब जंगलों में छिपे आईईडी को भी नष्ट कर रहे हैं और 'आईईडी मुक्त पंचायत' की दिशा में काम हो रहा है।

इस बदलते माहौल की पुष्टि राजनीतिक स्तर पर भी हो रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात कर बस्तर में सड़क संपर्क बढ़ाने के लिए केंद्रीय योजनाओं के मानकों में विशेष छूट की मांग की है। उनका कहना है कि चार-पांच दशकों के बाद बस्तर माओवाद के प्रभाव से बाहर निकलने की स्थिति में पहुंचा है, लेकिन दूर-दराज बिखरी आबादी के कारण सामान्य जनसंख्या आधारित नियमों के तहत सड़क निर्माण में दिक्कत आती है। अब चुनौती है कि शांति को स्थायी विकास में बदला जाए।

सबसे प्रतीकात्मक बदलाव तिरंगे को लेकर है। बस्तर संभाग के 92 से अधिक ऐसे सुदूर गांवों में स्वतंत्रता के बाद पहली बार राष्ट्रीय ध्वज शान से फहराया गया है। साथ ही पुनर्वास नीति 2025 के तहत आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों को घर, जमीन, मासिक सहायता और रोजगार के अवसर देकर मुख्यधारा में सम्मानजनक जीवन की राह दी जा रही है।

बहरहाल, बस्तर की कहानी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां बदलाव केवल सुरक्षा बलों की सफलता की कहानी नहीं है। यह उस सामाजिक परिवर्तन की कहानी है, जिसमें बंदूक की जगह खेल, जंगल के डर की जगह स्कूल, अलगाव की जगह सड़क और हिंसा की जगह रोजगार ने लेना शुरू किया है। साथ ही जिस छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों को कभी 'रेड कॉरिडोर' के नाम से जाना जाता था, वहां अब रेड कार्पेट पर आत्मविश्वास से चलती पूर्व महिला माओवादियों की तस्वीर यही संदेश दे रही है कि राज्य का भविष्य अब भय नहीं, बल्कि शांति, सम्मान और संभावनाओं के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है।

खेतों से समिति तक पहुंचे कलेक्टर, गिरदावरी की जांच के साथ एग्रीस्टैक पंजीयन का लिया जायजा

बीजापुर। खरीफ वर्ष 2026 के अंतर्गत जिले में चल रहे गिरदावरी एवं ई-गिरदावरी कार्य की शुद्धता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर विश्वदीप ने तहसील बीजापुर के ग्राम घनोरा पहुंचकर मैदानी गिरदावरी कार्य का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने खेतों में पहुंचकर मौके पर बोई गई फसल एवं वास्तविक रकबे का जायजा लिया तथा राजस्व अभिलेखों में दर्ज जानकारी से उसका मिलान किया। कलेक्टर ने संबंधित मैदानी अमले को निर्देशित किया कि गिरदावरी कार्य में किसी भी प्रकार की त्रुटि अथवा लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि गिरदावरी में दर्ज फसल एवं रकबे की जानकारी समर्थन मूल्य पर धान एवं मक्का उपार्जन, प्राइस सपोर्ट स्कीम, आरबीसी 6(4), प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण है। इसलिए प्रत्येक खेत की वास्तविक स्थिति के आधार पर सही प्रविष्टि सुनिश्चित की जाए। विभागीय निर्देशों के अनुसार गिरदावरी के मैदानी एवं रैंडम सत्यापन के लिए अलग-अलग स्तर पर प्रतिशत निर्धारित किया गया है। पटवारी द्वारा ग्राम स्तर पर 100 प्रतिशत, राजस्व निरीक्षक द्वारा 25 प्रतिशत, कृषि विस्तार अधिकारी द्वारा 25 प्रतिशत, नायब तहसीलदार/तहसीलदार द्वारा 10 प्रतिशत तथा अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) द्वारा 5 प्रतिशत गिरदावरी का सत्यापन किया जाएगा। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्धारित प्रतिशत के अनुसार सत्यापन अनिवार्य रूप से पूरा करने तथा 'भुईयां' सॉफ्टवेयर में वास्तविक फसल एवं रकबे की त्रुटिरहित प्रविष्टि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज रकबे और मौके पर पाए गए वास्तविक रकबे में अंतर मिलने पर संबंधित मैदानी अमले एवं पर्यवेक्षण अधिकारियों की जवाबदेही तय कर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। जिन ग्रामों में ई-गिरदावरी (डीसीएस) प्रस्तावित है, वहां पुनः मैन्युअल गिरदावरी की आवश्यकता नहीं होगी। वहीं जियोरेफ्रेंसिंग में त्रुटि, छूटे हुए खसरों अथवा जियोरेफ्रेंस्ड नक्शा उपलब्ध नहीं होने वाले ग्रामों में अनिवार्य रूप से मैन्युअल गिरदावरी कराई जाएगी। गिरदावरी कार्य के लिए ग्रामवार एवं ग्राम पंचायतवार कार्यक्रम निर्धारित कर ग्रामीणों को सूचना देने, कोटवार के माध्यम से मुनादी कराने तथा हल्का पटवारी, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, ग्रामीण उद्यानिकी विस्तार अधिकारी एवं पंचायत सचिव के संयुक्त दल से मैदानी जांच कराने के निर्देश भी दिए गए हैं। निर्धारित समय-सारणी के अनुसार गिरदावरी कार्य पूर्ण कर खसरा एवं 'भुईयां' सॉफ्टवेयर में प्रविष्टि 20 सितंबर 2026 तक, ग्रामवार फसल क्षेत्राच्छादन प्रतिवेदन का प्रारंभिक प्रकाशन 25 सितंबर तक तथा दावा-आपत्ति के अनुसार संशोधन की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2026 निर्धारित है। कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। गिरदावरी कार्य के निरीक्षण के बाद कलेक्टर विश्वदीप ने जांगला समिति पहुंचकर एग्रीस्टैक पंजीयन की प्रगति की भी जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से किसानों के पंजीयन एवं एकीकृत किसान आईडी की स्थिति के संबंध में जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। समर्थन मूल्य पर धान विक्रय के लिए किसानों का एग्रीस्टैक पोर्टल (छत्तीसगढ़ फार्मर रजिस्ट्री) पर एकीकृत किसान आईडी के साथ पंजीकृत होना अनिवार्य है। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पात्र किसानों को एग्रीस्टैक पंजीयन की जानकारी देकर उनका पंजीयन समय पर पूर्ण कराया जाए, ताकि किसानों को धान उपार्जन के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो। निरीक्षण के दौरान प्रभारी अधिकारी भू-अभिलेख बीजापुर मुकेश देवांगन, संबंधित हल्का पटवारी, सर्वेयर एवं अन्य मैदानी अमला उपस्थित रहा।

नशा मुक्ति के लिए शपथ कार्यक्रम संपन्न

कोंडागांव। शासकीय गुण्डाधुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोंडागांव में नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय के समस्त स्टाफएवं विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ एवं नशामुक्त समाज के निर्माण में योगदान देने की शपथ दिलाई गई। यह कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सरला आत्राम के मार्गदर्शन तथा राष्ट्रीय सेवा योजना (छै) के कार्यक्रम अधिकारी सम्लेश पोटाई के नेतृत्व में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों सहित महाविद्यालय के समस्त स्टाफएवं विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता के साथ नशा मुक्ति की शपथ ली। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. सरला आत्राम ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवार एवं भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। उन्होंने विद्यार्थियों से नशे से सदैव दूर रहने तथा अपने साथियों एवं समाज के अन्य लोगों को भी नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में डॉ. किरण नुरूटी, डॉ. पुरोहित कुमार सोरी, शोभा राम यादव सहित महाविद्यालय के समस्त स्टाफ उपस्थित रहे। कार्यक्रम अनुशासन एवं सक्रिय सहभागिता के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा और कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने हरी झंडी दिखाकर साइबर जागृति रथ को किया रवाना

कोंडागांव। 15 अगस्त से 02 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभियान में जिले के सभी थाना-चौकियों के साथ स्कूल, कॉलेज, हॉट बाजार और कोचिंग सेंटरों में कार्यक्रम किए जा रहे हैं। छात्र, शिक्षक, व्यापारी और आम नागरिक इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं।कोण्डागांव जिले में जागरूकता को और तेज करने के लिए पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा और कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने हरी झंडी दिखाकर साइबर जागृति रथ को रवाना किया। साइबर जागृति रथ जिले के गांव, बाजार, स्कूल और कॉलेजों में जाकर लोगों को साइबर ठगी से बचने के उपाय बताएगा। रथ के माध्यम से फिशिंग, व्च् घोखाधड़ी, फर्जी लिंक, नकली ऐप और सोशल मीडिया फ्रॉड की जानकारी दी जाएगी। साथ ही लोगों को फ्त् कोड स्कैन कर जागरूकता की एक सेल्फी लेकर सोशल मीडिया पर शेयर करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आजकल साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। इसलिए सतर्क रहें। किसी भी अज्ञात लिंक पर क्लिक न करें, व्च् किसी को न बताएं और ऐप केवल भरोसेमंद जगह से ही डाउनलोड करें। किसी भी संदिग्ध मामले की सूचना तुरंत 1930 या साइबर सेल को दें। आइए, हम सब मिलकर साइबर क्राइम मुक्त छत्तीसगढ़ बनाएं और जागरूकता की एक सेल्फ ी लेकर इस अभियान का हिस्सा बनें। उक्त कार्यक्रम में उप पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ बघेल, उप पुलिस अधीक्षक स्निग्धा सिंह सलामे, टी आई सौरभ उपाध्याय, रक्षित निरीक्षक मनीष सिंह और अन्य पुलिस अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

साथ ही पीएम आत्मानंद स्कूल एमजी वार्ड कोंडागांव की छात्राएं सम्मिलित हुईं और साइबर जागृति अभियान के बारे में जानकारी ली।

कलेक्टर ने शैक्षणिक संस्थानों में पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के कि यान्वयन की समीक्षा की

कोण्डागांव। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना की अध्यक्षता में मंगलवार को आदिवासी विकास विभाग के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 में पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के सुचारू अनुपालन एवं क्रियान्वयन के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में छात्रवृत्ति के लिए विद्यार्थियों से आवेदन प्राप्त करने, दस्तावेजों का परीक्षण करने तथा पात्र विद्यार्थियों के प्रकरणों को समय-सीमा में स्वीकृत करने की प्रक्रिया की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सभी शैक्षणिक संस्थानों के प्राचार्यों को निर्देशित किया कि पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति से संबंधित सभी प्रक्रियाएं निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण की जाएं, ताकि पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का लाभ समय पर मिल सके। उन्होंने छात्रवृत्ति के लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए संबंधित संस्थान प्रमुखों को लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने जिले के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में स्वीकृत सीटों के विरुद्ध प्रवेशित विद्यार्थियों की संख्या की भी जानकारी ली। उन्होंने शेष रिक्त सीटों पर नियमानुसार प्रवेश की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश संबंधित प्राचार्यों को दिए। इस अवसर पर आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त कृपेन्द्र तिवारी सहित जिले के सभी महाविद्यालयों, पॉलिटेक्निक संस्थानों एवं औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के प्राचार्य उपस्थित रहे।

कांकेर में सर्व पिछड़ा वर्ग समाज का बड़ा शक्ति प्रदर्शन: 27% आरक्षण और जातिगत जनगणना की मांग, मांगों को लेकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

कांकेर। छत्तीसगढ़ सर्व पिछड़ा वर्ग समाज जिला इकाई - उत्तर बस्तर कांकेर के तत्वावधान में जिला मुख्यालय के नरहर देव स्कूल मैदान में एक दिवसीय विशाल जनसभा का आयोजन संपन्न हुआ। इस महारैली और जनसभा में कांकेर, कोंडागांव तथा बस्तर संभाग के अन्य जिलों से लगभग 10 हजार की संख्या में समाज के लोग शामिल हुए। संबोधन के पश्चात नरहर देव स्कूल मैदान से समाज के लोगों ने पैदल विशाल रैली निकाली और कलेक्ट कार्यालय पहुंचकर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। वक्ताओं ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि उनकी न्यायसंगत मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार नहीं किया गया, तो आंदोलन को बस्तर से लेकर रायपुर विधानसभा और दिल्ली लोकसभा तक ले जाया जाएगा। राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग समाज को तत्काल प्रभाव से 27 प्रतिशत आरक्षण देने हेतु आवश्यक कानूनी कार्यवाही की जाए। जातिगत जनगणना एवं पृथक कॉलमः आगामी राष्ट्रीय जनगणना में पिछड़ा वर्ग के लिए एक पृथक कॉलम शामिल कर संपूर्ण जातिगत जनगणना कराई जाए। संवैधानिक एवं प्रशासनिक संरक्षणः ओबीसी समाज के सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक हितों की सुरक्षा हेतु इसे संविधान की पांचवीं अनुसूची के प्रावधानों/संरक्षण में शामिल किया जाए। जनसभा के दौरान मंच से विभिन्न समाज प्रमुखों ने एकजुटता, हक-अधिकार और भविष्य की रूपरेखा पर अपनी बात रखी। कमल किशोर कश्यपः देश की आजादी के 80 वर्ष बीत जाने के बाद भी पिछड़ा वर्ग की स्थिति में कोई खास सुधार नहीं आया है। जब तक समाज अपनी सामूहिक ताकत नहीं दिखाएगा, सरकार हमारी बात नहीं सुनेगी। परमानंद साहूः वर्ष 2013 से हमारा आंदोलन जारी है, लेकिन आज स्थिति यह है कि पंच चुनाव लड़ने के अधिकारों पर भी असर पड़ा है। बस्तर की 11 सीटें राज्य के राजनीतिक समीकरण तय करती हैं, ऐसे में समाज की उपेक्षा नहीं की जा सकती।

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अवैध शराब के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई, 57 प्रकरणों में 562 लीटर शराब जब्त

भटगांव । पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा के कड़े निर्देशों और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धीरेन्द्र पटेल तथा अनुविभागीय अधिकारी दीपिका मिंज के मार्गदर्शन में भटगांव पुलिस ने अवैध शराब बिक्री करने वाले कोचियों के खिलाफ लगातार ताबड़तोड़ कार्रवाई जारी रखी है। जहां थाना प्रभारी उपनिरीक्षक शिवकुमार धारी के कुशल नेतृत्व में बीते 2 दिनों में क्षेत्र में 2 बड़ी छापामार कार्रवाइयां की गईं। पुलिस ने ग्राम सलोनीकला के सबारिया डेरा और ग्राम चुरेला में दबिश देकर 2 शराब कोचियों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से कुल 45 लीटर कच्ची महुआ शराब जब्त किया है। थाना प्रभारी ने बताया कि वर्ष 2026 में अब तक भटगांव थाना क्षेत्र में आबकारी एक्ट के 57 प्रकरणों में कुल 562 लीटर अवैध शराब जब्त की जा चुकी है। वहीं मुखबिर की सूचना पर ग्राम सलोनीकला क्षेत्र के सबारिया डेरा और चुरेला गांव में कुछ लोग अवैध रूप से कच्ची महुआ शराब बनाकर बिक्री कर रहे थे सूचना की सत्यता की जांच के बाद थाना प्रभारी शिवकुमार धारी ने एक विशेष टीम गठित कर तत्काल दबिश दिए । पहली कार्रवाई - ग्राम सलोनीकला, सांवरिया डेरा 18 अगस्त की शाम टीम ने सबरिया डेरा में दबिश दी। यहां पुलिस ने आरोपी लच्छी गोंड पिता शंकर गोंड, उम्र 23 वर्ष, निवासी सबरिया डेरा, सलोनीकला, थाना भटगांव, जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ को 30 लीटर कच्ची महुआ शराब के साथ रंगे हाथों पकड़ा। जब्त शराब की अनुमानित कीमत 6,000 रुपये बताई जा रही है। वहीं दूसरी कार्रवाई ग्राम चुरेला में 19 अगस्त की सुबह चुरेला गांव में कार्रवाई कर आरोपी दीपक मनहर पिता कृपाराम मनहर, उम्र 25 वर्ष, निवासी चुरेला, थाना भटगांव, जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ को गिरफ्तार किया गया। इसके कब्जे से 15 लीटर हाथ भट्टी महुआ शराब बरामद हुई।

पुलिस अधीक्षक उमेश प्रसाद गुप्ता ने बेदरे थाना का औचक निरीक्षण किया गया

बीजापुर। पुलिस अधीक्षक बीजापुर उमेश प्रसाद गुप्ता द्वारा थाना बेदरे का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर, अभिलेखों एवं विभिन्न रजिस्टरों की कार्यप्रणाली का जायजा लिया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना प्रभारी, विवेचकों एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारियों से थाना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण एवं लंबित प्रकरणों के संबंध में जानकारी ली गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बड़ेबेंदरी का राष्ट्रीय स्तर इंस्पायर अवार्ड मानक हेतु चयन

कोंडागांव। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बड़ेबेंदरी ने एक बार फिर विज्ञान के क्षेत्र में अपना लोहा मनवाया। विद्यालय के प्राचार्य संजय ठाकुर के संरक्षण एवं व्याख्याता अंकित गुप्ता एवं दिलीप कश्यप के मार्गदर्शन में विद्यालय की छात्रा मिथिला कोर्राम ने इंस्पायर अवार्ड मानक प्रतियोगिता के राज्य स्तरीय चरण में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर हेतु चयनित होकर विद्यालय, क्षेत्र एवं जिले का गौरव बढ़ाया है। मिथिला कोर्राम ने अपने अभिनव वैज्ञानिक विचार एवं मॉडल के माध्यम से राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस सफलता में मार्गदर्शक शिक्षक अंकित गुप्ता एवं दिलीप कश्यप का विशेष योगदान रहा। दोनों शिक्षकों ने छात्रा को वैज्ञानिक सोच विकसित करने, मॉडल को बेहतर स्वरूप देने तथा प्रतियोगिता की तैयारी में निरंतर मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन दिया। उनके समर्पण और सकारात्मक मार्गदर्शन ने मिथिला के आत्मविश्वास को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विद्यालय के प्राचार्य संजय ठाकुर ने मिथिला कोर्राम एवं उनके मार्गदर्शक शिक्षकों को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि मिथिला राष्ट्रीय मंच पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन करेगी। उल्लेखनीय है कि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बड़ेबेंदरी के अन्य विद्यार्थियों ने भी पिछले वर्षों में विभिन्न विज्ञान आधारित प्रतियोगिताओं में राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। विद्यालय में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, रचनात्मक सोच एवं प्रयोगात्मक शिक्षा को निरंतर बढ़ावा दिया जाता है। शिक्षकों के समर्पित प्रयासों और विद्यार्थियों की प्रतिभा के परिणामस्वरूप विद्यालय प्रत्येक वर्ष विज्ञान के क्षेत्र में नए कीर्तिमान एवं नए बेंचमार्क स्थापित कर रहा है। मिथिला कोर्राम का राष्ट्रीय स्तर के लिए चयन विद्यालय की इसी गौरवशाली यात्रा की एक और महत्वपूर्ण कड़ी है। विद्यालय परिवार ने मिथिला एवं उनके मार्गदर्शक शिक्षकों को बधाई देते हुए राष्ट्रीय स्तर पर सफलता के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

डीईओ जे. आर. डहरिया का आज विकासखण्ड बिलाईगढ़ के विभिन्न स्कूलों का औचक निरीक्षण

शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अनुशासन सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

भटगांव। जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ के जिला शिक्षा अधिकारी जे.आर.डहरिया ने बुधवार को विकास खण्ड बिलाईगढ़ के शासकीय प्राथमिक शाला भारतपुर, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला भारतपुर, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला मलदी, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पुरगाँव के स्कूलों का औचक निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का गहन जायजा लेते हुए शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अनुशासन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पठन-पाठन और विद्यालयी व्यवस्थाओं की ली जानकारी निरीक्षण के दौरान डीईओ ने छात्र-छात्राओं की उपस्थिति, शिक्षकों की नियमितता, पठन-पाठन की गुणवत्ता, मध्याह्न भोजन, पेयजल, शौचालय, पुस्तकालय तथा विद्यालय परिसर की साफ-सफाई का निरीक्षण किया. उन्होंने उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग पर भी जोर दिया। बच्चों से पूछे सवाल, नियमित पढ़ाई के लिए किया प्रेरित-डीईओ ने विभिन्न कक्षाओं में पहुंचकर और छात्र-छात्राओं से बातचीत कर विभिन्न विषयों से जुड़े प्रश्न पूछे. उन्होंने बच्चों की सीखने की क्षमता का आकलन करते हुए नियमित रूप से विद्यालय आने और मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया. छात्रों ने भी उत्साहपूर्वक उनके प्रश्नों का उत्तर दिया। शिक्षकों को समयबद्धता और गुणवत्ता पर दिया जोर- निरीक्षण के क्रम में डीईओ ने शिक्षकों को समय पर विद्यालय पहुंचने, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने तथा छात्र-छात्राओं की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि सरकारी विद्यालयों में बेहतर शैक्षणिक वातावरण तैयार करना शिक्षा विभाग की प्राथमिकता है और इसमें शिक्षकों की सक्रिय भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। लापरवाही पर होगी कार्रवाई, जारी रहेगा निरिक्षण- डीईओ ने विद्यालय के अभिलेखों की भी जांच की और आवश्यक सुधार के लिए संबंधित शिक्षकों को निर्देश दिए. उन्होंने स्पष्ट कहा कि शैक्षणिक गतिविधियों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी. निरीक्षण के अंत में उन्होंने कहा कि सरकारी विद्यालयों में अनुशासन, पारदर्शिता और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ऐसे औचक निरीक्षण आगे भी नियमित रूप से जारी रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

ट्रेडवॉर की कगार पर अमेरिका-कनाडा: ट्रंप की डेडलाइन से बढ़ी हलचल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और कनाडा के बीच टैरिफ विवाद को खत्म करने के लिए

बातचीत निर्णायक दौर में पहुंच गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार दोपहर 12:01 बजे तक समझौता होने की समयसीमा तय की है। समझौता नहीं होने पर कनाडा से आने वाले करीब 20 अरब डॉलर के सामान पर 50त्न टैरिफ लगाने की धमकी दी गई है। इनमें हॉकी स्टिक, टंग डिप्रेशर समेत कई उत्पाद शामिल हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और ट्रंप पिछले दो दिनों में दो बार फोन पर बात कर चुके हैं। कार्नी ने बातचीत को गहन और नाजुक बताया है और कहा है कि फिलहाल इसके बारे में सार्वजनिक रूप से ज्यादा चर्चा करना उचित नहीं है। दोनों पक्ष आखिरी समय में किसी समझौते तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। दशकों पुराना व्यापार विवाद अमेरिका और कनाडा के बीच व्यापार को लेकर विवाद नया नहीं है। दोनों देश सॉफ्टवुड लकड़ी, डेयरी बाजार और अन्य उत्पादों के व्यापार को लेकर लंबे समय से मतभेद रखते आए हैं। इसके बावजूद दोनों करीबी सहयोगी और महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार बने हुए हैं। करीब 5,525 मील लंबी दोनों देशों की सीमा से रोजाना लगभग 3.3 लाख लोग और करीब 2 अरब डॉलर का सामान गुजरता है। कनाडा के कुल माल निर्यात का लगभग 72त्न अमेरिका जाता है। इसलिए किसी बड़े व्यापार युद्ध का असर दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ सकता है। ट्रंप का मौजूदा रुख पारंपरिक अमेरिकी-कनाडाई संबंधों से काफी अलग है। उन्होंने कनाडाई उत्पादों पर कई टैरिफ लगाए हैं और कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने जैसी टिप्पणियां भी की हैं। इन नीतियों से कनाडा में अमेरिका के प्रति नाराजगी बढ़ी है।

27 साल अमेरिका में रहीं, ग्रीन कार्ड भी था; फिर भी भारतीय मूल की महिला हिरासत में, क्यों हुई कार्रवाई

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारतीय मूल की वेंकटा वसमसेट्टी को अमेरिकी इमिग्रेशन एवं कस्टम्स एन्फोर्समेंट यानी आईसीई ने हिरासत में लिया है। वसमसेट्टी वर्ष 1999 में अमेरिका गई थीं और करीब 27 साल से वहीं रह रही थीं। वर्ष 2013 से वह ग्रीन कार्ड धारक हैं। इसके बावजूद उनके खिलाफ निर्वासन की कार्रवाई शुरू हुई थी। परिवार के लिए मामला इसलिए भी चौंकाने वाला है क्योंकि इमिग्रेशन कोर्ट कुछ महीने पहले ही उनके खिलाफ चल रहा निर्वासन मामला खारिज कर चुका था। मामले की शुरुआत वर्ष 2022 की एक यात्रा से जुड़ी है। वसमसेट्टी अपने बीमार माता-पिता की देखभाल के लिए भारत आई थीं। इसी दौरान वह कोविड से संक्रमित हो गईं और उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के कारण उनकी अमेरिका वापसी में देरी हुई। वह करीब सात महीने बाद फरवरी 2023 में अमेरिका लौटीं। अमेरिकी सरकार ने लंबे समय तक अमेरिका से बाहर रहने को इस सवाल से जोड़ा कि क्या उन्होंने अमेरिका में अपना स्थायी निवास छोड़ दिया था। वसमसेट्टी के परिवार और उनकी कानूनी टीम का कहना है कि भारत में रहने के दौरान भी उनका अमेरिका से संबंध बना हुआ था।

चीन ने यह तकनीक क्यों विकसित की

समुद्र के बाद जमीन पर भी रॉकेट की सफल वापसी; स्पेसएक्स को टक्कर देने की तैयारी में चीन

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने पहली बार किसी रॉकेट के पहले हिस्से को जमीन पर सफलतापूर्वक वापस उतार लिया है। सरकारी मीडिया ने बुधवार को यह जानकारी दी। चीन अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए इस तकनीक को विकसित कर रहा है। जमीन पर रॉकेट के पहले हिस्से को वापस उतारना चीन की पहली सफल कोशिश है। लेकिन रॉकेट के किसी हिस्से को वापस हासिल करने की यह चीन की दूसरी सफलता है। इससे पहले जुलाई में समुद्र में बने एक प्लेटफॉर्म पर रॉकेट के हिस्से को सफलतापूर्वक वापस उतारा गया था। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि दोबारा इस्तेमाल किए जा सकने वाले रॉकेट झुके-3 को बुधवार सुबह छोड़ा गया। इसके बाद रॉकेट के पहले हिस्से को सफलतापूर्वक वापस उतार लिया गया। एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स और जेफ बेजोस की कंपनी ब्लू ओरिजिन 2015 से रॉकेटों को वापस उतार रही हैं। इससे रॉकेट के उन हिस्सों को दोबारा इस्तेमाल करके अंतरिक्ष में उपग्रह और दूसरे सामान भेजने की लागत कम करने में मदद मिली है, जिन्हें पहले इस्तेमाल के बाद फेंक दिया जाता था। शिन्हुआ ने बताया कि बुधवार को रॉकेट को वापस उतारते समय चीन ने पहली बार खुलने

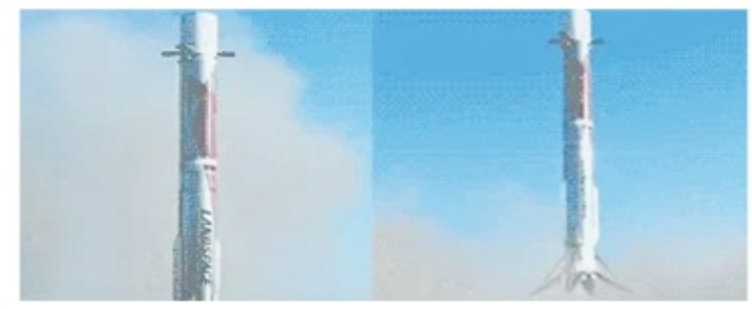

वाले लैंडिंग पैर का इस्तेमाल किया। एजेंसी ने इसे चीन की दोबारा इस्तेमाल होने वाले रॉकेट की तकनीक में एक बड़ी सफलता बताया।

समुद्र में कैसे वापस लाया गया था रॉकेट: 10 जुलाई को लॉन्ग मार्च-10बी रॉकेट का पहला हिस्सा उड़ान भरने के बाद दूसरे हिस्से से अलग हो गया था। इसके बाद वह समुद्र में बने एक प्लेटफॉर्म पर वापस आया था। उस समय रॉकेट को जाल से पकड़ने वाली व्यवस्था का इस्तेमाल करके वापस हासिल किया गया था। इसके अगले दिन, 11 जुलाई को जापान ने दोबारा इस्तेमाल किए जा सकने वाले एक प्रयोगात्मक रॉकेट की पहली परीक्षण उड़ान की। रॉकेट ने उड़ान भरने के बाद सुरक्षित तरीके से वापस जमीन पर उतरने में सफलता हासिल की। जापान भी रॉकेट को दोबारा इस्तेमाल करने वाली तकनीक हासिल करने की कोशिश कर रहा है। इसका मकसद अंतरिक्ष में रॉकेट भेजने की लागत कम करना और दुनिया के अंतरिक्ष बाजार में दूसरी बड़ी ताकतों से मुकाबला करना है।

रहमान के भारत दौरे को यादगार बनाना चाहते हैं पीएम मोदी; अधिकारियों को दिया गया निर्देश

ढाका, एजेंसी। भारत और बांग्लादेश के बीच रिश्तों में हालिया तनाव के बावजूद नई दिल्ली संबंधों को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश कर रही है। भारतीय उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान का प्रस्तावित भारत दौरा यादगार हो। भारत ने आपसी भरोसे, व्यापार, निवेश और युवाओं के लिए अवसरों को द्विपक्षीय संबंधों का आधार बनाने पर जोर दिया है। हालांकि, शेख हसीना के प्रत्यर्पण और उनके भारत से दिए गए हालिया मीडिया संदेश को लेकर दोनों देशों के बीच मतभेद अब भी बड़ी चुनौती बने हुए हैं।

राजदूत की ये बातें मंगलवार को ऐसे समय में सामने आई, जब 12-13 सितंबर को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए नई दिल्ली में रहमान के प्रस्तावित दौरे को

लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। यह अनिश्चितता ढाका की ओर से अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग को लेकर भारत और बांग्लादेश के बीच पैदा हुई नई तल्खी के कारण है। द बिजनेस स्टैंडर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, त्रिवेदी ने मंगलवार को भारतीय उच्चायोग की ओर से बांग्लादेश के प्रमुख कारोबारी नेताओं और कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री के प्रतिनिधिमंडल के लिए आयोजित एक स्वागत समारोह में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का संदेश था कि दोनों नेताओं को मुलाकात करनी चाहिए। बैठक के दौरान राजदूत त्रिवेदी ने भरोसा दिलाया कि भारत दौरे के दौरान पीएम रहमान का उचित और सम्मानजनक स्वागत किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने बस एक बात कही। हमें मिलना चाहिए। और आप मेरी तरफ से उन्हें बता सकते हैं कि उन्हें भारत के प्रधानमंत्री का भरोसा है कि जब बांग्लादेश के प्रधानमंत्री भारत आएंगे, तो उनका वैसा ही सम्मानजनक स्वागत होगा, जिसके वे हकदार हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दोनों नेताओं के बीच मजबूत संबंधों से अंततः दोनों पड़ोसी देशों के लोगों और कारोबारियों को फायदा मिलेगा। इस अंतर को पाटने में दुनिया भर के व्यापारियों की बड़ी भूमिका है। अतीत के मतभेदों को सुलझाकर आगे बढ़ने की अपील

त्रिवेदी ने कहा कि दोनों देशों को भविष्य की ओर देखते हुए अतीत के मतभेदों को सुलझाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं यह नहीं कह रहा कि आप अतीत को भूल जाएं, लेकिन अतीत को ध्यान में रखते हुए पुराने मतभेदों को सुलझाएं। और आगे बढ़ें। एक जगह न रुकें। जीवंत लोकतंत्रों के बीच मतभेद होना स्वाभाविक है और बातचीत तथा आपसी जुड़ाव के जरिए उन्हें सुलझाया जा सकता है। हम बांग्लादेश के भाइयों और बहनों की चिंताओं को अच्छी तरह समझते हैं।

ट्रंप का दावा: 2020 चुनाव में 24 हजार गैर-नागरिकों ने डाला वोट; जांच में और बढ़ेगा आंकड़ा

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव को लेकर एक बार फिर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी जनगणना ब्यूरो 2020 के मतदाता आंकड़ों को नागरिकता संबंधी जानकारी से मिलाकर जांच कर रहा है। ट्रंप ने दावा किया कि शुरुआती 12.8 करोड़ मतदाताओं की जांच में 24 हजार से ज्यादा गैर-नागरिकों ने अवैध तरीके से मतदान किया।

ट्रंप ने कहा, जनगणना ब्यूरो ने 2020 के मतदाता आंकड़ों को उनके नागरिकता रिकॉर्ड से मिलाकर जांच शुरू कर दी है। पहले 128,000,000 मतदाताओं की जांच में जनगणना ब्यूरो ने साबित किया है कि 24 हजार से ज्यादा गैर-नागरिकों ने अवैध रूप से वोट किया। जनगणना ब्यूरो अब अगले 3.2 करोड़ मतदाताओं का विश्लेषण करने जा रहा है और यह संख्या बहुत बढ़ जाएगी।

इससे पहले ट्रंप ने भारत की चुनाव व्यवस्था की तारीफ करते हुए कांग्रेस से सेव अमेरिका एक्ट पारित करने की अपनी मांग फिर दोहराई। ट्रुथ सोशल पर एक अन्य पोस्ट में ट्रंप ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ हाल की बातचीत का जिक्र किया और भारत में मतदाताओं के लिए फोटो पहचान पत्र के इस्तेमाल की बात कही। ट्रंप ने कहा, इस महीने की शुरुआत में भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने हमारे प्रशासन से पूछा- अमेरिका में वैध फोटो पहचान पत्र के बिना आप चुनाव कैसे करा सकते हैं उन्होंने भारत में हुए सबसे हाल के आम चुनाव का भी जिक्र किया और कहा- भारत के पिछले चुनाव में 646,000,000 मतदाता थे। 1 प्रतिशत से भी कम लोगों ने डाक से मतदान किया और हर एक मतदाता के पास एक वैध फोटो पहचान दस्तावेज होना जरूरी था।

व्हाइट हाउस के मुताबिक, प्रस्तावित कानून यह सुनिश्चित करने की कोशिश करेगा कि संघीय चुनावों में केवल अमेरिकी नागरिक ही मतदान कर सकें। व्हाइट हाउस ने कहा, केवल अमेरिकी नागरिक ही अमेरिकी चुनावों का फैसला करें। व्हाइट हाउस ने इस विधेयक को समझदारी वाला, द्विदलीय विधेयक बताया।

पत्नी बुशरा बीबी और बहन से 9 महीने में पहली बार मिले इमरान खान

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक इमरान खान ने रावलपिंडी की अदियाला जेल में 9 महीने के लंबे अंतराल के बाद पहली बार अपनी पत्नी बुशरा बीबी और बहन से मुलाकात की।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा इमरान खान की गिरती सेहत पर चिंता जताए जाने और परिजनों को हर हफ्ते मिलने की अनुमति दिए जाने के बाद यह मुलाकात संभव हो सकी।

कॉफ्रेंस रूम में 15 मिनट हुई बातचीत

पाकिस्तान अखबार डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, इमरान खान की बहन नोरिन नियाजी ने जेल के कॉन्फ्रेंस रूम में उनसे करीब 15 मिनट तक बातचीत की। इस दौरान दोनों के बीच खान के स्वास्थ्य और कानूनी स्थिति पर चर्चा हुई। बहन नोरिन ने इमरान खान को सुप्रीम कोर्ट के आदेश की जानकारी भी दी। कोर्ट ने सरकार को निर्देश दिया है कि इमरान खान को दो दिनों के भीतर मेडिकल जांच के लिए इस्लामाबाद के शिफा इंटरनेशनल अस्पताल ले जाया जाए और 16 सितंबर तक वहीं रखा जाए।

राजनीतिक बयानबाजी पर सख्त हिदायत

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट आदेश दिया है कि इस मुलाकात का इस्तेमाल किसी भी तरह के राजनीतिक फायदे या बयानबाजी के लिए नहीं किया जाएगा। चेतावनी दी गई है कि नियम का उल्लंघन होने पर दी गई

राहत वापस ली जा सकती है।

यही वजह रही कि खान की अन्य बहनों, अलीमा खान, उजमा खान और उनकी पार्टी के शीर्ष नेताओं को मिलने की अनुमति नहीं दी गई।

पत्नी बुशरा बीबी से भी हुई मुलाकात

जेल सूत्रों के मुताबिक, इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी के बीच भी कॉन्फ्रेंस रूम में करीब 35 से 40 मिनट तक मुलाकात हुई। इसके अलावा, बुशरा बीबी ने अपनी पहली शादी से हुए बच्चों और अपनी ननद मेहरुन्निसा से भी अलग से मुलाकात की।

गौरतलब है कि इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में बंद हैं और अल-कादिर ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले में 14 साल की सजा काट रहे हैं। अदालत अब 16 सितंबर को खान के निजी अस्पताल में इलाज की याचिकाओं पर दोबारा सुनवाई करेगी।

बड़े विरोध प्रदर्शन के बाद आदेश

बता दें कि पाकिस्तानी कोर्ट का यह आदेश ऐसे समय में आया है जब खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने चेतावनी दी थी कि यदि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को उनके परिवार और निजी डॉक्टरों से मिलने नहीं दिया गया, तो बड़ा विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

इमरान खान की मेडिकल रिपोर्ट में क्या सामने आया?

अदियाला जेल के अधीक्षक द्वारा सुप्रीम कोर्ट में सौंपी गई रिपोर्ट के अनुसार, 73 वर्षीय इमरान खान का स्वास्थ्य चिंता का विषय बना हुआ है। रिपोर्ट में इमरान खान में एंग्जाइटी और पैनिक के गंभीर लक्षण बताए गए हैं। उनकी एंग्जाइटी का स्तर %थ्री प्लस% दर्ज किया गया है, जिसे मनोवैज्ञानिक रूप से बेहद गंभीर माना जाता है। मेडिकल जांच के दौरान उनका ब्लड प्रेशर 140/80 और पल्स रेट 54 प्रति मिनट दर्ज की गई। उनकी ईसीजी सामान्य पाई गई है और दिल के वाल्व व चैंबर भी ठीक हैं। हालांकि, उन्होंने सिर में भारीपन और दिल की धड़कन तेज होने की शिकायत की थी। इतना ही नहीं रिपोर्ट के अनुसार, उनकी एक आंख का इलाज नेत्र रोग विशेषज्ञ द्वारा किया गया है और वह अब लगभग सामान्य हो चुकी है।

मेडिकल बोर्ड ने इमरान खान से क्या सिफारिशें की?

इस बात को ऐसे समझिए कि मेडिकल बोर्ड ने इमरान खान को प्रतिदिन एक घंटा टहलने, मानसिक रूप से तनावमुक्त रहने वाली गतिविधियां करने और पढ़ने के लिए किताबें, समाचार पत्र व पत्रिकाएं उपलब्ध कराने की सिफारिश की है। बोर्ड का मानना है कि परिवार और पत्नी के साथ मेल-जोल बढ़ाने से उनकी एंग्जाइटी और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। मनोवैज्ञानिक डॉ. रियाज भट्टी ने इस स्थिति पर बात करते हुए बताया कि एंग्जाइटी का स्तर तीन से अधिक होना गंभीर चिंता और घबराहट की स्थिति को दर्शाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि लंबे समय तक एकांतवास और लोगों से मेल-जोल न होने के कारण यह तनाव और अधिक बढ़ जाता है। इस कारण व्यक्ति निराश और अवसादग्रस्त महसूस कर सकता है। इसका एकमात्र समाधान यही है कि रोगी को अपनों से बातचीत करने का अवसर दिया जाए और उसके आसपास का माहौल सकारात्मक बनाया जाए।

दो ईरानी राजनयिकों को निकालेगा फ्रांस: फ्रांसीसी विदेश मंत्री ने क्या कहा, क्यों बढ़ा दोनों देशों में तनाव

पेरिस, एजेंसी। फ्रांसीसी विदेश मंत्री जीन-नोएल बैरट ने मंगलवार को कहा कि फ्रांस आने वाले दिनों में दो ईरानी राजनयिकों को देश से निष्कासित करेगा। उन्होंने कहा कि जुलाई में दो फ्रांसीसी राजनयिकों पर कथित हमले के बाद ईरान ने एक असहनीय काम किया। बैरट ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव का सबसे ज्यादा नुकसान ईरानी लोगों को हो रहा है। उन्होंने कहा कि ईरानी लोग अपने देश में हो रहे दमन और सैन्य हमलों, दोनों के बीच फंसे हुए हैं। बैरट ने कहा, ईरानी लोग पश्चिम एशिया में इस बेहद तनावपूर्ण दौर के सबसे बड़े पीड़ित हैं। वे जनवरी 2026 के प्रदर्शनों के खूनी दमन और बमबारी के बीच फंसे हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि फ्रांस ईरान के कलाकारों, वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं का समर्थन करता है। उनके मुताबिक, इसी वजह से फ्रांसीसी राजनयिकों पर जानबूझकर हमला किया गया। फ्रांस के विदेश मंत्री ने कहा, फ्रांस ईरानी लोगों के साथ खड़ा है और उनके कलाकारों, वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं का समर्थन करता है। इसी वजह से 19 जुलाई को दो फ्रांसीसी राजनयिकों पर बेहद शर्मनाक और जानबूझकर हमला किया गया। उन्होंने आगे कहा, मैंने घोषणा की थी कि इस असहनीय काम के बाद कार्रवाई की जाएगी। ऐसा कर दिया गया है। फ्रांस में मौजूद दो ईरानी राजनयिकों को आने वाले दिनों में देश से बाहर निकाल दिया जाएगा। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी जांच के दौरान विदेशी दखल के आरोप में दो फ्रांसीसी राजनयिकों को हिरासत में लिया गया था।

पिया डांडिया ने फ्लोरिडा में डेमोक्रेटिक पार्टी का प्राइमरी चुनाव जीता

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल की अमेरिकी और स्कूल की पूर्व प्रिंसिपल पिया डांडिया ने फ्लोरिडा के 22वें कांग्रेस क्षेत्र के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी का प्राथमिक चुनाव जीत लिया है। अब नवंबर में होने वाले चुनाव में उनका मुकाबला रिपब्लिकन पार्टी के कैसी असकर से होगा। कैसी असकर पूर्व नौसैनिक हैं। डांडिया को 68.6 फीसदी मत मिले। उन्होंने वकील कायसिया अली को हराया, जिन्हें 31.4 फीसदी मत मिले।

डांडिया ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, फ्लारिडा-22, इस अभियान पर विश्वास करने के लिए धन्यवाद। मैं अपने छात्रों, अपने बेटे और इस जिले में बड़े हो रहे हर उस बच्चे के लिए चुनाव में उतरी, जो बेहतर भविष्य का हकदार है। उन्होंने कहा, साथ मिलकर हम खर्च कम करने, भ्रष्टाचार खत्म करने और वॉशिंगटन को फिर से हमारे लिए काम करने वाला बनाने के अभियान को आगे बढ़ाएंगे। मैं आप सभी के साथ यह करने के लिए आभारी हूं। डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी (डीएनसी) ने प्राथमिक चुनाव में डांडिया की जीत पर उन्हें बधाई दी। कमेटी ने एक बयान में कहा, एक शिक्षिका और अपने समुदाय में लंबे समय से नेतृत्व करने वाली पिया ने लोगों के लिए नए अवसर बढ़ाने और कामकाजी परिवारों के लिए लड़ने के लिए खुद को समर्पित किया है। वह दक्षिण फ्लोरिडा के परिवारों के लिए किराने का

सामान, स्वास्थ्य सेवाओं और घर की लागत कम करने के लिए कांग्रेस में लड़ने के लिए तैयार हैं। बयान में कहा गया, डीएनसी पिया को जिताने, इस सीट को पलटने और नवंबर में सदन में बहुमत वापस लाने में मदद करने के लिए तैयार है।

भारत से अमेरिका जाकर बसे माता-पिता की बेटी डांडिया ने इससे पहले फ्लोरिडा के 21वें जिले से रिपब्लिकन पार्टी के ब्रायन मास्ट को चुनौती देने की कोशिश की थी। ब्रायन मास्ट विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष हैं। हाई स्कूल की पूर्व प्रिंसिपल डांडिया बाद में दक्षिण फ्लोरिडा के 22वें जिले में चली गईं। यह सीट चुनावी क्षेत्र के नए परिसीमन में बनाई गई थी और यहां कोई मौजूदा सांसद चुनाव मैदान में नहीं था।

पिया डांडिया कौन हैं

उनके चुनाव अभियान की वेबसाइट के अनुसार, डांडिया पहली पीढ़ी की अमेरिकी हैं। उन्होंने हाई स्कूल प्रिंसिपल, नीति क्षेत्र की नेता और तकनीक के क्षेत्र में नई पहल करने वाली शख्सियत के तौर पर समुदायों को मजबूत बनाने के लिए अपना पूरा करियर समर्पित किया है। डांडिया का जन्म और पालन-पोषण फ्लोरिडा के पाम बीच काउंटी में हुआ। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एक शिक्षिका के रूप में की और हार्लेम में हाई स्कूल प्रिंसिपल रहीं। उन्होंने कम आय वाले छात्रों की जिंदगी की दिशा बदलने के मकसद से एक हाई स्कूल की स्थापना की। उनका लक्ष्य छात्रों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की राह पर लाना था। उनके हाई स्कूल से पढ़ने वाले हर एक छात्र को कॉलेज में दाखिला मिला। इनमें से 86 प्रतिशत छात्र कम आय वाले परिवारों से आते थे। अभियान की वेबसाइट के अनुसार, वह 28 साल की उम्र में अपने स्कूल की संस्थापक बनी थीं। इस वजह से वह देश की सबसे कम उम्र की हाई स्कूल प्रिंसिपलों में से एक थीं।

टेक्सास में मुस्लिमों के खिलाफ बढ़ती नफरत से बढ़ी दहशत, बदलते माहौल में क्या है डर की वजह

टेक्सास, एजेंसी। टेक्सास में मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों का कहना है कि पिछले कुछ समय में उनके खिलाफ नफरती बयानबाजी और विरोध की घटनाएं बढ़ी हैं। डलास के आसपास के इलाकों में दक्षिणपंथी नेताओं की बयानबाजी ने इस चिंता को और बढ़ाया है। कई मुस्लिम परिवारों का कहना है कि वे बेहतर स्कूल, किफायती घर और मजबूत समुदाय की तलाश में टेक्सास आए थे, लेकिन अब बदलते माहौल को लेकर असुरक्षा महसूस कर रहे हैं।

गुलाम केहर दो महीने पहले सुबह जल्दी उठकर टेक्सास के इर्विंग स्थित मस्जिद में नमाज पढ़ने गए थे। इसके बाद वह अमेरिकी तटरक्षक बल के महीनों लंबे अभियान में सेवाएं देने के लिए रवाना हुए। वह पहले भी ऐसे अभियानों में हिस्सा ले चुके थे, लेकिन इस बार घर से निकलते समय उन्हें परिवार की चिंता सता रही थी। उन्होंने ऐसी व्यवस्था करने की कोशिश की कि जरूरत पड़ने पर कनाडाई सीमा के पास मौजूद अपने तैनाती स्थल तक परिवार पहुंच सके।

मुस्लिम आबादी बढ़ने के साथ क्या बदला

टेक्सास में मुस्लिम आबादी पिछले वर्षों में बढ़ी है। डलास-फोर्ट वर्थ महानगर क्षेत्र में 2024 में मुस्लिम आबादी करीब 1.59 लाख बताई गई, जबकि एक दशक पहले यह संख्या लगभग 79 हजार थी। टेक्सास में मुस्लिमों की कुल संख्या तीन से पांच लाख के बीच होने का अनुमान है। राज्य की कुल आबादी में उनका हिस्सा करीब एक से दो प्रतिशत बताया जाता है। हालांकि, अमेरिका की जनगणना में धर्म से जुड़ा सवाल नहीं पूछा जाता, इसलिए सटीक संख्या उपलब्ध नहीं है।

टेक्सास में कट्टरपंथी इस्लाम का विरोध लंबे समय से रिपब्लिकन राजनीति का हिस्सा रहा है। लेकिन मुस्लिम आबादी बढ़ने के साथ इस विरोध को लेकर बहस भी तेज हुई है। न्यूयॉर्क में जोहरान ममदानी के मेयर बनने और मिशिगन में सीनेट के लिए अब्दुल एल-सईद जैसे मुस्लिम नेताओं की राजनीतिक सफलता ने भी राष्ट्रीय स्तर पर इस समुदाय को लेकर चर्चा बढ़ाई है। मुस्लिम नेताओं का कहना है कि इससे

राजनीतिक बयानबाजी का असर स्थानीय स्तर पर भी दिखाई दे रहा है। टेक्सास सरकार पर क्या आरोप लगाए जा रहे हैं

मुस्लिम संगठनों का आरोप है कि मामला केवल नेताओं की बयानबाजी तक सीमित नहीं है। उनके मुताबिक, टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट और अटॉर्नी जनरल केन पैक्सटन जैसे नेताओं ने कुछ मुस्लिम संस्थाओं की जांच शुरू की है। एबॉट ने उन हवाईअड्डों की सरकारी फंडिंग रोकने की धमकी भी दी, जहां मुस्लिम यात्रियों के लिए वजू की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। इन कदमों को लेकर मुस्लिम समुदाय में चिंता बढ़ी है।

कुछ मामलों में मुस्लिम समुदाय के लोगों को सीधे धमकियों और विरोध का सामना करना पड़ा। ह्यूस्टन के एक इस्लामिक सेंटर को धमकी देने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। कॉनरो में एक महिला ने एक किराने की दुकान पर मुस्लिम ग्राहकों से कथित तौर पर कहा कि इस राज्य या देश में उनका स्वागत नहीं है। मैकिनी में एक मस्जिद के विस्तार से जुड़ी सिटी काउंसिल की बैठक में भी मुस्लिम विरोधी संदेश के साथ एक घटना सामने आई।

इन बीमारियों में हाथ पैर पड़ जाते हैं सुन्न

समय रहते नहीं हुई पहचान तो होंगे लाखों खर्च

हाथ-पैर में सुन्नता, घातक बीमारियों का लक्षण हो सकता है, जिसे नजरअंदाज करना सेहत के साथ खिलवाड़ करने के समान है। इसलिए समय रहते इसकी मूल वजह की पहचान और उपचार जरूरी है।

सामान्य जीवन के लिए हाथ-पैर का सही से काम करना बेहद जरूरी है, पर कई बार हम जाने-अनजाने में ऐसी गलतियां कर बैठते हैं जिनके कारण हाथ-पैर कमजोर पड़ जाते हैं। खासकर हाथ-पैर में आई सुन्नता अपने आप में एक बेहद गंभीर स्थिति है, जो घातक बीमारियों का लक्षण हो सकता है। इसलिए समय रहते इसकी पहचान जरूरी है और यहां हम आपको इसी संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी देने जा रहे हैं। गौरतलब है कि अगर समय पर इलाज मिल जाए तो गंभीर बीमारियों का जोखिम काफी हद तक कम होता है। हाथ-पैरों की सुन्नता के संबंध में भी यही बात लागू होती है। समय रहते ही इसकी असल समस्या की पहचान जरूरी है। इसलिए उन समस्याओं के बारे में जानना आवश्यक हो जाता है, जिनके कारण हाथ-पैर में सुन्नता की समस्या आती है।

हाथ-पैरों या शरीर के किसी भी अंग में सुन्नता नर्व के डैमेज होने की स्थिति में होती है। ऐसी स्थिति किसी एक नर्व के दबने या क्षतिग्रस्त होने से भी हो सकती है या बहुत सारे नर्व के प्रभावित होने से। हमारे शरीर में लगभग 96 हजार किलोमीटर की तंत्रिका तंत्र कार्य करती है, जिससे शरीर के अलग-अलग हिस्सों और अंगों को सिग्नल पहुंचते हैं और वे कार्य करते हैं। दिमाग और स्पाइनल कॉर्ड के हिस्से में जब कोई नर्व डैमेज होता है तो सिग्नल टूटने के कारण हाथ और पैरों में सुन्नता आ जाती है। ऐसे में सुन्नता के साथ कई बार हाथ-पैर में झनझनाहट और दर्द भी महसूस हो सकता है। अब बात करते हैं कि कौन-कौन सी समस्याओं में ऐसी स्थिति बन सकती है।

मल्टीपल स्क्लेरोसिस

मल्टीपल स्क्लेरोसिस केंद्रीय तंत्रिका तंत्र से जुड़ी घातक स्थिति है, जिसमें दिमाग, रीढ़ की हड्डी और ऑप्टिकल यानी आंख की तंत्रिकाएं प्रभावित होती हैं। ऐसे में मांसपेशियों में कमजोरी के साथ ही शरीर के अलग-अलग हिस्सों में सुन्नता उत्पन्न हो जाती है। बात करें इसके लक्षणों की तो हाथ-पैर में सुन्नता के साथ ही थकान और चक्कर आना, याददाश्त का कमजोर पड़ना और चेहरे की तंत्रिकाओं में दर्द महसूस होना भी शामिल है।

ब्रेन ट्यूमर

ब्रेन ट्यूमर की स्थिति में भी हाथ-पैर सुन्न पड़ सकते हैं या उनमें झनझनाहट महसूस हो सकती है। दरअसल, ब्रेन ट्यूमर मस्तिष्क और संवेदी रिसेप्टर्स तंत्रिकाओं के मार्ग को अवरुद्ध कर सकता है, ऐसी स्थिति में सिग्नल के टूटने के कारण हाथ-पैर या शरीर के दूसरे हिस्से काम करना बंद कर देते हैं।

डायबिटीज न्यूरोपैथी

शरीर में ब्लड शुगर का बढ़ा हुआ स्तर तंत्रिकाओं को भी क्षति पहुंचाता है, जिसके कारण हाथों और पैरों की सुन्नता की स्थिति बन सकती है। ऐसी स्थिति में पीड़ित व्यक्ति को असामान्य रूप से प्यास लग सकती है या अधिक यूरिन आने की दिक्कत पेश आ सकती कती है। इसलिए अगर आपको इनमें से कोई भी लक्षण नजर आएं तो अपने ब्लड शुगर की जांच जरूर करवाएं। वरना आगे चलकर यह समस्या गंभीर रूप ले सकती है।

कार्पल टनल सिंड्रोम

कार्पल टनल सिंड्रोम भी तंत्रिका तंत्र से जुड़ी समस्या है, जिसके कारण हाथों में सुन्नता, आती है। असल में ऐसा तब होता है जब हाथ की प्रमुख नसों में से कोई एक दब जाती है। ऐसे में समय रहते इसका उपचार जरूरी है, वरना आगे चलकर स्थिति गंभीर हो हो सकती है। इसके कारण हाथ और उंगलियां पूरी तरीके से काम करना बंद कर सकती हैं।

किडनी की बीमारी

किडनी डैमेज होने या उसमें आई खराबी के चलते भी हाथ-पैर की सुन्नता की हो सकती है। दरअसल, किडनी हमारे शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है। पर इसके खराब होने की स्थिति में जब विषाक्त पदार्थ सही से बाहर नहीं निकल पाते हैं तो वो तंत्रिकाओं को नुकसान पहुंचा सकते हैं। ऐसे में हाथ और पैर में झनझनाहट और सुन्नता हो सकती है। बता दें कि अल्होकल के अधिक सेवन के परिणामस्वरूप भी हाथ-पैर में सुन्नता आ सकती है। वहीं कुछ दवाओं के साइड इफेक्ट के रूप में भी हाथ-पैर में सुन्नता की स्थिति देखने को मिलती है। कुल मिलाकर देखा जाए तो हाथ-पैर में सुन्नता आना, घातक बीमारियों का लक्षण हो सकता है, जिसे नजरअंदाज करना सेहत के साथ खिलवाड़ करने के समान है। इसलिए समय रहते इसकी मूल वजह की पहचान और उपचार जरूरी है। उम्मीद करते हैं कि सेहत से जुड़ी यह जानकारी आपके लिए उपयोगी साबित होगी।

जिम में क्यों आता है हार्ट अटैक?

आजकल जिम करते वक्त काफी लोगों को हार्ट अटैक आ रहा है। आइए एक्सपर्ट से समझते हैं इसका असली कारण क्या है। और इससे बचाव कैसे किया जा सकता है।

फिट रहने के लिए लोग आजकल जिम जाते हैं। घंटों जिम में पसीने बहाते हैं। लेकिन बीते कुछ दिनों से अक्सर यह खबर सुनने को मिलती है कि जिम में हार्ट अटैक आ गया। तो क्या स्वस्थ रहने की कोशिश जानलेवा साबित हो रही है। हर कोई इस सवाल का जवाब जानना चाहता है। खासकर युवाओं में डर का माहौल हो गया है। आइए जानते हैं, जिम में हार्ट अटैक क्यों आ रहा है।

जिम में क्यों आ रहा है हार्ट अटैक?

एक्सपर्ट बताते हैं कि अक्सर हमें लगता है की हेवी एक्सरसाइज से दिल पर दवाब पड़ता है और दिल का दौरा पड़ जाता है। लेकिन इसके लिए सिर्फ हेवी एक्सरसाइज जिम्मेदार नहीं है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। आप डाइट कैसी ले रहे हैं। आप स्मोकिंग करते हैं, नींद कैसी है आपकी, आप पानी पीते हैं या नहीं। कुछ लोग तो स्टेरॉयड का इस्तेमाल करते हैं। और कुछ लोग जेनेटिक सिंड्रोम के चलते इसकी चपेट में आते हैं। ये सभी चीजें मिलकर आपके दिल पर असर डालती है।

- जिन लोगों की डाइट खराब है, कोलेस्ट्रॉल बढ़ा हुआ है। धमनियों में पहले से प्लाक जमा हो उनमें हेवी एक्सरसाइज के दौरान अचानक से ब्लड फ्लो बढ़न से हार्ट अटैक आ सकता है।
- कई बार कुछ लोगों का बीपी बढ़ा हुआ रहता है, और वो एक्सरसाइज करते हैं, तो इससे भी दिल पर दबाव पड़ता है।
- अगर आप 40 साल से अधिक के हैं या आपको हृदय रोग का पारिवारिक इतिहास रहता है, तो जिम जाने से पहले अपना चेकअप कराएं।
- हाइड्रेट रहें। अपने शरीर की सुनें। अगर छाती में दर्द या सांस में तकलीफ होती है, तो तुरंत एक्सरसाइज बंद कर दें।

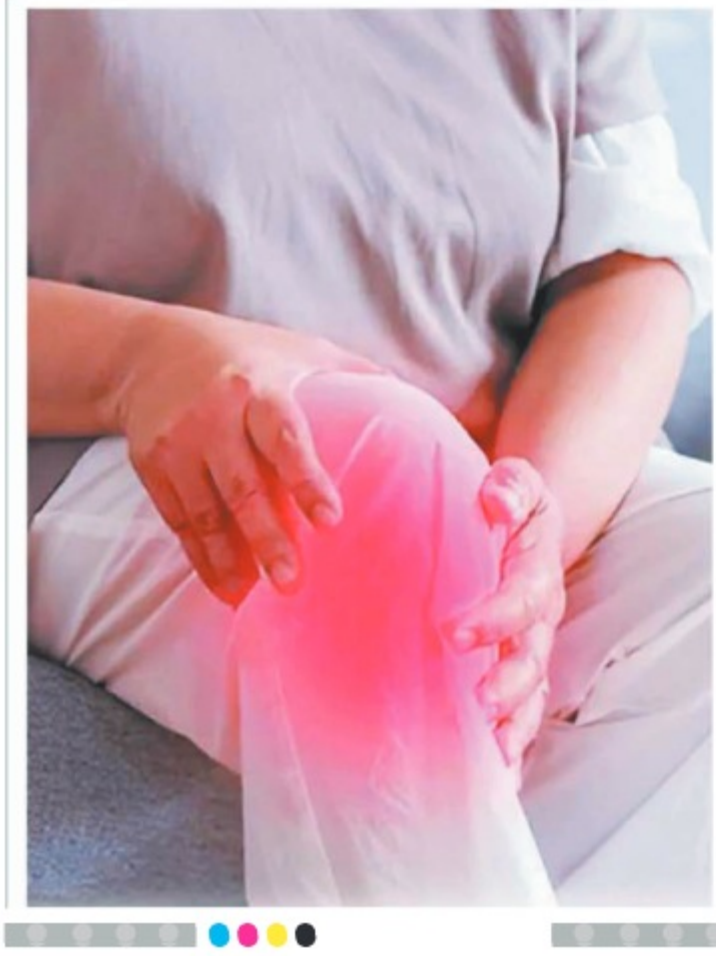

क्या आपके घुटने भी लॉक हो जाते हैं?

क्या आपको कभी ऐसा महसूस हुआ है कि चलते-फिरते या उठते-बैठते आपका घुटना अचानक से मुड़कर अटक गया हो और उसे सीधा करने में आपको जोर लगाना पड़ा हो या किसी की मदद लेनी पड़ी हो। लेकिन क्या आप जानती हैं कि मेडिकल रूप से इस शब्द का सही अर्थ क्या है?

क्या कभी आपके साथ ऐसा हुआ है कि आपका घुटना अचानक मुड़ा का मुड़ा रह गया हो और उसे सीधा करने के लिए आपको झटका देना पड़ा हो या किसी की मदद लेनी पड़ी हो? इस कंडीशन को मेडिकल भाषा में घुटने का लॉक होना कहते हैं। अक्सर लोग घुटनों से आने वाली आवाज या हल्के दर्द को भी लॉकिंग समझ लेते हैं, लेकिन डॉक्टर बताते हैं कि यह सही नहीं है। डॉक्टर का कहना है, जब हम कहते हैं कि घुटना लॉक हो गया, तब सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि घुटना लॉक होने का असली मतलब क्या है। हम अक्सर ऐसे कई मरीज देखते हैं जो कहते हैं कि सर, हमारा घुटना लॉक हो गया है। लेकिन, वह किसी तरह की आवाज या हल्के दर्द या असुविधा को लॉकिंग समझ लेते हैं। असल में घुटना लॉक होने का मतलब यह होता है कि आपका घुटना मुड़ा का मुड़ा रह गया है और उसे सीधा करने के लिए आपको या तो हाथ से बल लगाना पड़ रहा है या फिर कोई झटका देना पड़ रहा है या किसी दूसरे व्यक्ति की मदद से उसे सीधा करना पड़ रहा है। इस कंडीशन को मेडिकली लॉकिंग कहते हैं।

घुटने लॉक होने के कारण

डॉक्टर समझाते हैं कि घुटने लॉक होने का सबसे आम कारण मैकेनिकल ऑब्स्ट्रक्शन होता है। इसका मतलब है कि घुटने के जोड़ के अंदर कोई बाहरी या ढीली चीज फंस जाती है, जिससे घुटने की नॉर्मल स्पीड रुक जाती है।

अब सवाल यह है कि यह लूज बॉडी या ढीली चीज आती कहां से है? यह लूज बॉडी आमतौर पर हमारे घुटने के जोड़ के अंदर मौजूद सॉफ्ट टिश्यूज या हड्डियों के छोटे टुकड़ों से बनती है।

मेनिस्कस का टूटना

घुटनों में मौजूद मेनिस्कस होता है, जो वॉशर या कुशन की तरह काम करता है। यह घुटने के जोड़ को स्थिरता देता है और झटकों को सहने में मदद करता है। जब किसी युवा का खेलकूद के दौरान या किसी चोट के कारण घुटने में मेनिस्कस को फट जाता है, तो इसका टूटा हुआ हिस्सा जोड़ के बीच में फंस सकता है। यह युवाओं में घुटने के लॉक होने का आम कारण है।

कार्टिलेज का टुकड़ा या अन्य ढीली वस्तु

जब लोग बढ़ती उम्र में घुटने में घिसाव का अनुभव करते हैं, तब घुटने के कार्टिलेज घिसने लगते हैं। इस घिसाव के कारण कार्टिलेज के छोटे-छोटे टुकड़े टूटकर घुटने के जोड़ के अंदर तैरने लगते हैं। ये छोटे टुकड़े या कोई और ढीली वस्तु जो घिसाव से जोड़ में आ जाती है, वह भी घुटने को लॉक कर सकती है।

लिगामेंट टियर

कई बार घुटने में लिगामेंट के फटने से घुटना लचकने लगता है, जैसे एसीएल टियर (एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट) में घुटना अपनी जगह से थोड़ा हिल सकता है और यह भी मरीज को लॉकिंग जैसी कंडीशन दे सकता है, भले ही कोई चीज फंसी न हो। यह स्यूडो-लॉकिंग हो सकती है। एसीएल आपके घुटने के अंदर मौजूद एक ऐसा लिगामेंट है, जो आपकी जांघ की हड्डी को पिंडली की हड्डी से जोड़ता है और आपके घुटने को स्थिर रखता है। डॉक्टर यह बात दोहराते हैं कि घुटने के लॉक होने का मुख्य कारण मैकेनिकल ऑब्स्ट्रक्शन ही होता है, यानी कोई ऐसी ढीली चीज जो जोड़ के बीच में फंस रही हो और उसकी नॉर्मल स्पीड को रोक रही हो। यदि आप घुटने के लॉक होने की समस्या का अनुभव करते हैं, तो तुरंत ऑर्थोपेडिक सर्जन के पास जाएं, ताकि भविष्य में होने वाली किसी भी बड़ी समस्या से बचा जा सके।

निर्माण में तेजी, पेचवर्क और विद्युत व्यवस्था बेहतर करने के निर्देश, महापौर ने नगर निगम के अधिकारियों की ली मीटिंग

मूलभूत सुविधाओं पर भी विशेष तौर पर ध्यान देने कहा

राजनांदगांव। नगर निगम के तकनीकी अधिकारियों की बैठक महापौर मधुसूदन यादव ने ली. इसमें उन्होंने निर्माण कार्य में प्रगति लाने तथा बारिश एवं अगामी त्योहार व गणेश पर्व को देखते हुए शहर में पेचवर्क सहित विद्युत व्यवस्था दुरूस्त करने के अलावा अन्य आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।उन्होंने निर्माण कार्यों की जानकारी लेकर कहा कि स्थल निरीक्षण कर निर्माण कार्य चालू कराए , चलते कार्य में गति लाकर समय-सीमा में पूर्ण कराए. उन्होंने योजना एवं निधि के कार्यों की जानकारी लेकर समय सीमा में गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने निर्देशित किया. स्टेशन रोड एवं बीएसएनएल आफिस के पास शॉपिंग काम्पलेक्स निर्माण कार्य प्रक्रिया की जानकारी उपरांत कार्यादेश देकर कार्य प्रारंभ कराने स्थल निरीक्षण कर बाधा हटा ले-आउट देने कहा. साथ ही निगम काम्पलेक्स जीर्णोद्धार तथा व्यवसायिक परिसर निर्माण के लिए की जा रही प्रक्रिया, बजट प्रावधानों के क्रियान्वयन की प्रगति के संबंध में जानकारी लेकर आगे की प्रक्रिया के लिए चर्चा कर दिशा निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि रोड, नाली निर्माण के अलावा चल रहे अन्य निर्माण कार्य में समय सीमा का ध्यान रखकर कार्य में गति लाए. किसी प्रकार की परेशानी पर उच्च अधिकारियो को अवगत कराने की बात कही. पानी निकासी पर ध्यान देने कहा गया महापौर श्री यादव ने कहा कि बारिश को देखते हुए पानी भरान क्षेत्रों में पानी निकासी का विशेष ध्यान रखा जाए. त्योहार एवं आगामी गणेश पर्व को देखते हुए सड़को में पेचवर्क कर मरम्मत करे, बारिश में सुगम आवागमन के लिए अन्य आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करे, साथ ही शहर में विद्युत व्यवस्था दुरूस्त करने के निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि खम्बा लाइट बंद होने की शिकायत का प्रथमिकता से निराकरण करे।बारिश एवं त्योहार के मददे विद्युत मरम्मत समाग्री का पर्याप्त भण्डारण रखे. आयुक्त जीआर मरकाम ने कहा कि निर्माण कार्यों के साथ साथ पेयजल, विद्युत व्यवस्था के अलावा सामुदायिक शौचालय का भी निरीक्षण करे. शौचालयों में दरवाजा टूटने तथा अन्य परेशानी संबंधित शिकायते प्राप्त होती है, जिसके निराकरण के लिए संचालक को समझाइश देकर व्यवस्था दुरूस्त कराए. निर्माण कार्यों की मानिटरिंग कर प्रगति से अवगत कराए.

स्मार्ट मीटर हटाओ, पुराना मीटर लगाओ अभियान को लेकर कांग्रेस का बैठक संपन्न

बलौदा बाजार के वार्ड 15 में घर-घर पहुंचकर भराए गए फॉर्म

बलौदाबाजार। ÷स्मार्ट मीटर हटाओ, पुराना मीटर लगाओ÷ अभियान को लेकर आज जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय, बलौदाबाजार में महत्वपूर्ण ब्लॉक स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान के जिला प्रभारी सकलेन कामदार एवं जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष सुमित्रा धृतलहरे जी विशेष रूप से उपस्थित रहीं।बैठक का आयोजन शहर कांग्रेस कमेटी बलौदाबाजार के अध्यक्ष प्रवीण सेन के नेतृत्व में किया गया। बैठक में अभियान को शहर के प्रत्येक वार्ड एवं बूथ स्तर तक प्रभावी रूप से पहुंचाने तथा अधिक से अधिक नागरिकों को अभियान से जोड़ने की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक के पश्चात अभियान के जिला प्रभारी सकलेन कामदार, जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष सुमित्रा धृतलहरे जी एवं शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रवीण सेन सहित कांग्रेसजनों ने वार्ड क्रमांक 15 में पहुंचकर आम नागरिकों से संपर्क किया। इस दौरान स्मार्ट मीटर से संबंधित जानकारी देते हुए नागरिकों के फॉर्म भरवाए गए तथा उनकी समस्याओं एवं चिंताओं को भी सुना गया।जिला प्रभारी सकलेन कामदार ने कहा कि अभियान को केवल बैठक तक सीमित न रखते हुए प्रत्येक वार्ड में घर-घर तक पहुंचाया जाएगा। कांग्रेस कार्यकर्ता आम उपभोक्ताओं से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को समझेंगे और अभियान के फॉर्म भरवाने में सहयोग करेंगे। जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष सुमित्रा धृतलहरे ने कहा कि जनहित से जुड़े इस अभियान को सफल बनाने के लिए कांग्रेस के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता पूरी सक्रियता के साथ मैदान में उतरें और आम जनता की आवाज को मजबूती से उठाएं।हर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रवीण सेन ने कहा कि शहर के सभी 21 वार्डों में अभियान को चरणबद्ध तरीके से चलाया जाएगा। प्रत्येक वार्ड में कांग्रेस कार्यकर्ता घर-घर पहुंचकर नागरिकों से संपर्क करेंगे तथा स्मार्ट मीटर के संबंध में उनके फॉर्म भरवाने एवं आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने का कार्य करेंगे।

सड़क बना डाबरी शुध लेने वाला कोई नहीं

बलौदा बाजार। वर्षों से नवीनीकरण का बाट जोह रहे खस्ताहाल सड़क में इन दिनों डाबरी नुमा गड्ढा बन गया है। इस गड्ढे में आए दिन दो पहिया एवं साइकिल चालक फस कर परेशान हो रहे हैं एवं स्कूल बस व एंबुलेंस इसी मार्ग से होकर बलौदा बाजार आते हैं किंतु इस ओर किसी का ध्यान नहीं है। विदित हो की बलौदा बाजार विधानसभा के विधायक एवं प्रदेश के राजस्व मंत्री के गृह ग्राम चापा जाने का रास्ता यहीं से होकर जाता है। साथ ही इस क्षेत्र के कूछ छुट भैये नेता भी इसी मार्ग से होकर शहर में आकर अपनी राजनीति चमका रहे हैं। किन्तु विडंबना देखिए करीब तीन माह हो गया सड़क के गड्ढे में पानी भर जाने से कभी भी दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई है। दुर्घटना को लेकर किसी भी जिम्मेदार नेता या राजनेता हो या अधिकारी इस ओर किसी का ध्यान नहीं हैं। इस मार्ग में आवागमन करने वाले आम जनता काफी परेशान है क्योंकि कई बार विभाग से गुहार लगाने के बाद भी मांग को नजरअंदाज करते आ रहे हैं। जबकि सुहेला हथबंद जाने का यह मुख्य मार्ग है फिर भी ग्राम कोकड़ी में स्थिति जस की तस बनी हुई है।

मैनेजर ने किया 11 लाख रुपए का ग़बन, मामला दर्ज, आरोपी गिरफ्तार

मामला कोतवाली एरिया का, जाँच के बाद पुलिस ने की कार्रवाई

राजनांदगांव। अरूण एग्रीकल्चर में मैनेजर के पद पर कार्यरत व्यक्ति पर किसानों को बेचे गए ट्रैक्टर एवं कृषि उपकरणों की बिक्री राशि में लाखों रुपए गबन करने का आरोप लगा है। मामले में कोतवाली पुलिस ने आरोपी कुमुद उपाध्याय (52 वर्ष) को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, प्रार्थी ने बीते 17 अगस्त को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि आरोपी कुमुद उपाध्याय, जो इंदिरा नगर स्थित वृंदावन कॉलोनी का निवासी है, अरूण एग्रीकल्चर में मैनेजर के पद पर कार्यरत था। आरोप है कि 1 अप्रैल 2025 से 7 अप्रैल 2026 के बीच फर्म के ट्रैक्टर एवं कृषि उपकरण किसानों को कुल 14 लाख 61 हजार रुपए में बेचे गए. लेकिन बिक्री की पूरी रकम फर्म में जमा नहीं की गई। पुलिस की पूछताछ और जांच के दौरान आरोपी द्वारा राशि के गबन की बात स्वीकार की. आरोपी ने 3 लाख 3 हजार रुपयए वापस किए. जबकि 11 लाख 7 हजार रुपये फर्म में जमा नहीं करने की बात बताई गई। मामले में कोतवाली थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 443/26, धारा 316(4), 336(3), 344(1) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया।

खाता-बही जब्त, आरोपी जेल भेजा गया

पुलिस ने आरोपी को थाना तलब कर पूछताछ की। उसके कब्जे से खाता-बही जब्त की गई। जांच में पर्याप्त अपराध साक्ष्य पाए जाने पर पुलिस ने 19 अगस्त 2026 को आरोपी को विधिवत गिरफ्तार किया और न्यायिक रिमांड पर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

जनगणना कार्य में बाधा डालने वाला फरार आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

जशपुरनगर। मामला थाना पत्थलगांव क्षेत्र के ग्राम सुरेशपुर का है। जशपुर पुलिस द्वारा फरार आरोपियों की धरपकड़ एवं लंबित मामलों में त्वरित कार्रवाई के क्रम में थाना पत्थलगांव पुलिस ने जनगणना जैसे महत्वपूर्ण शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने तथा जनगणना प्रगणक के साथ मारपीट एवं दुर्व्यवहार करने के मामले में फरार आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। बीते वर्ष 5 मई को सतीश कुमार सक्सेना उम्र 42 वर्ष, शिक्षक, निवासी ग्राम कुमकेला, थाना पत्थलगांव द्वारा थाना पत्थलगांव में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि उनकी ड्यूटी जनगणना प्रगणक के रूप में लगाई गई थी। जनगणना कार्य के सिलसिले में वे घटना दिनांक को ग्राम सुरेशपुर गए हुए थे। इसी दौरान रास्ते में एक युवक ने उन्हें रोककर फर्जी व्यक्ति बताते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी तथा हाथ-मुक्के से मारपीट करने लगा। आरोपी ने प्रार्थी का आईडी कार्ड खींचकर फेंक दिया तथा उसे जान से मारने की धमकी दी। आरोपी के इस कृत्य से प्रार्थी द्वारा किया जा रहा शासकीय जनगणना कार्य बाधित हुआ। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना पत्थलगांव में अपराध बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मामले की विवेचना के दौरान पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया गया।

अस्वास्थ्यकर दशा में भंडारित 10 किलोग्राम बूंदी किया गया नष्ट

खाद्य एवं औषधि प्रशासन की कार्रवाई

बलौदाबाजार । खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम द्वारा बुधवार को पलारी क्षेत्र मे सघन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान एक हॉटल मे अस्वच्छ स्थिति मे भण्डारित 10 किलो बूंदी को नष्ट कराया गया एवं नोटिस जारी किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार माँ आशापुरी बीकानेर स्वीट्स पलारी, बब्बू होटल पलारी, एसके सुपर मार्ट पलारी, प्रकाश ढाबा एंड फैमली रेस्टोरेंट मेन रोड कुकदा (पलारी) का निरिक्षण कर मिल्क केक, नमकीन, पनीर, वेज बिरयानी एवं खजूर का नमूना लेकर जाँच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला प्रेषित किया गया। बब्बू होटल पलारी में अस्वास्थ्यकर दशाओं में भंडारित 10 किलोग्राम बूंदी को मौके पर नष्ट कराया गया। प्रकाश ढाबा एंड फैमली रेस्टोरेंट मेन रोड कुकदा (पलारी) में अस्वच्छता पाए जाने पर मौके पर नोटिस जारी किया गया। खाद्य रव औषधी प्रशासन विभाग ने जिले के सभी खाद्य कारोबारियों को सख्त हिदायत दी है कि वे त्योहारों के दौरान केवल उच्च गुणवत्ता और स्वच्छता मानकों के अनुरूप ही खाद्य पदार्थों का निर्माण व विक्रय करें।

बिना खाद्य पंजीयन या लाइसेंस के संचालित होने वाले अस्थायी स्टॉलों और शहरी क्षेत्रों से ग्रामीण हाट-बाजारों की ओर होने वाली संदिग्ध मिठाइयों की सप्लाई चैन पर भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है। विभाग ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे जागरूक रहें और पैकेटबंद मिठाइयों या सामग्रियों को खरीदते समय लेबलिंग की जाँच रव बिल अवश्य लें। ज्ञाताव्य है कि रक्षाबंधन पर्व एवं बरसात के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए आम नागरिकों को सुरक्षित, शुद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं मानक खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में सात दिवसीय सघन खाद्य सुरक्षा प्रवर्तन एवं जन-जागरूकता अभियान ÷बने बाबो-बने रहिवो ÷अभियान संचालित किया जा रहा है।

परिक्षेत्रीय साहू संघ झीट में सामाजिक नियमावली कार्यशाला एवं इकाई पदाधिकारियों का सम्मान संपन्न

पाटन अम्लेश्वर। तहसील साहू संघ पाटन अंतर्गत परिक्षेत्रीय साहू संघ झीट की कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक एवं सामाजिक नियमावली कार्यशाला का आयोजन परिक्षेत्रीय साहू भवन में किया गया। कार्यक्रम में समाज के पदाधिकारी, इकाई पदाधिकारी, वरिष्ठजन एवं सामाजिक सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य प्रदेश साहू समाज की सामाजिक नियमावली की जानकारी प्रदान करने के साथ ही समाज में एकता, अनुशासन, आपसी समन्वय एवं सामाजिक दायित्वों को मजबूत करना रहा। साथ ही सभी लोगों को सामाजिक नियमावली का बुक भी प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के दौरान इकाई पदाधिकारियों एवं इकाई अध्यक्षों को नियुक्ति पत्र एवं मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही समाज के प्रति उनके योगदान एवं जिम्मेदारियों के निर्वहन के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। बैठक में सामाजिक हित से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई तथा आवश्यक निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए। उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने समाज की एकता एवं संगठन को मजबूत बनाने तथा सामाजिक नियमावली का पालन सुनिश्चित करने में पूर्ण सहयोग देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में परिक्षेत्रीय अध्यक्ष गायत्री साहू, उपाध्यक्ष सुखदेव साहू एवं मधुकांता साहू, संगठन सचिव ओमप्रकाश साहू एवं मती हेमलता साहू, सचिव टीकाराम साहू, कोषाध्यक्ष राधे साहू, संरक्षक मोहन साहू, तहसील प्रतिनिधि रामाधार साहू (एल्डरमैन), युवा प्रकोष्ठ राजू साहू, प्रचार सचिव भारत कुमार साहू, मीडिया प्रभारी भूपेश साहू, जनपद सदस्य दामिनी राकेश साहू, मती योगिता साहू सहित समाज के वरिष्ठजन एवं सदस्यगण उपस्थित रहे। वरिष्ठजनों में तीजुराम साहू, प्रद्युम्न साहू, कल्याण साहू, शिव कुमार साहू, तुलाराम साहू, सुखचंद साहू, टिकेश्वर साहू, ध्रुव साहू, यशवंत साहू, बरसाती साहू, ओम प्रकाश साहू, हिलेश्वर साहू, लाला राम साहू, रोशन साहू, मुराली साहू, देव नारायण साहू, तीरथ साहू, देवेंद्र साहू, पीलाराम साहू, मोहन साहू, प्रहलाद साहू, रामु राम साहू, अन्नपूर्णा साहू, मती सरस्वती साहू, देवकी साहू, अमरीका साहू, संतोषी साहू, लक्ष्मी साहू, पद्मनी साहू, पुष्पा साहू, सुनीता साहू, भुनेश्वर साहू, उत्तम साहू सहित बड़ी संख्या में समाज के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में परिक्षेत्रीय साहू संघ झीट द्वारा समाज की एकता, संगठनात्मक मजबूती एवं सामाजिक उत्थान के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया गया। आयोजन को सफल बनाने में सभी पदाधिकारियों एवं समाजजनों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन अंतर्गत डिजिटल स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र मे जिले की उपलब्धि

जिला चिकित्सालय बलौदाबाजार को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए स्वास्थ्य मंत्री के हाथों मिला प्रशस्ति पत्र

बलौदाबाजार। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन अंतर्गत डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावी रूप से लागू करने तथा स्वास्थ्य संबंधी डिजिटल रिकॉर्ड के बेहतर प्रबंधन की दिशा में उत्कृष्ट कार्य के लिए जिला चिकित्सालय बलौदाबाजार को राज्य स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली संस्था के रूप में प्रशस्ति पत्र लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने प्रदान किया । यह सम्मान आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन, स्टेट मॉडल डिस्ट्रिक्ट,फैसिलिटीज,राज्य स्तरीय उद्घाटन कार्यशाला मे प्रदान किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया, आयुक्त सह संचालक स्वास्थ्य सेवाएं संजीव कुमार झा तथा संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण भारत सरकार विक्रम पगारिया उपस्थित रहे।कार्यशाला का आयोजन 19 अगस्त 2026 को रायपुर में किया गया जिसमें राज्य स्तर पर आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के क्रियान्वयन एवं डिजिटल हेल्थ इकोसिस्टम को मजबूत करने की दिशा में किए जा रहे कार्यों पर चर्चा की गई। जिला चिकित्सालय बलौदा बाजार द्वारा एबीडीएम एवं हेल्थ रिकार्ड लिंकेज के क्षेत्र में किए गए प्रभावी कार्य को राज्य स्तर पर सराहा गया। अस्पताल में डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने, स्वास्थ्य रिकॉर्ड को डिजिटल माध्यम से लिंक करने तथा स्वास्थ्य सेवाओं में डिजिटल प्रक्रियाओं को बढ़ावा देने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के परिणामस्वरूप यह उपलब्धि हासिल हुई है।कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने इस उपलब्धि पर जिला चिकित्सालय एवं स्वास्थ्य टीम को बधाई देते हुए कहा कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन से मरीज-केंद्रित, पारदर्शी एवं तकनीक आधारित स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक मजबूत करने में सहायता मिलेगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश अवस्थी ने बताया कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण डिजिटल स्वास्थ्य पहल है, जिसका उद्देश्य देश में एक मजबूत, सुरक्षित और आपस में जुड़े हुए डिजिटल स्वास्थ्य तंत्र का निर्माण करना है।इसके माध्यम से मरीजों के स्वास्थ्य संबंधी रिकॉर्ड को डिजिटल रूप से व्यवस्थित करने, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच को आसान बनाने तथा विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों के बीच स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के बेहतर आदान-प्रदान की दिशा में कार्य किया जा रहा है।इसके अंतर्गत आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट के माध्यम से नागरिकों को एक डिजिटल स्वास्थ्य पहचान उपलब्ध होती है। इससे मरीज अपने स्वास्थ्य रिकॉर्ड को डिजिटल रूप से व्यवस्थित एवं आवश्यकता के अनुसार साझा कर सकते हैं। साथ ही, डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड के माध्यम से मरीज की पूर्व स्वास्थ्य जानकारी चिकित्सकों तक उपलब्ध होने से उपचार एवं फॉलोअप को अधिक सुविधाजनक बनाने में सहायता मिलती है ।

मारगांव व दीवानभेड़ी में खुलेगी राशन दुकान, संचालन हेतु 27 अगस्त तक आवेदन आमंत्रित

डोंगरगांव नगर। अनुभाग डोंगरगांव के विकासखंड डोंगरगांव के अंतर्गत ग्राम पंचायत मारगांव एवं ग्राम पंचायत दीवानभेड़ी में नवीन शासकीय उचित मूल्य दुकान खुलने जा रही है। नवीन शासकीय उचित मूल्य दुकान के संचालन हेतु 27 अगस्त तक आवेदन आमंत्रित की गई है। प्रशासन द्वारा आधिकारिक जानकारी मुताबिक नवीन शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालन हेतु इच्छुक एवं पात्र जिले में स्थित वृहत्ताकार आदिम जाति बहुउद्देशीय सहकारी समिति (लेम्पस), प्राथमिक कृषि शाख समिति, वन सुरक्षा समिति, महिला स्वसहायता समूह, अन्य उपभोक्ता सहकारी समिति निर्धारित तिथि तक आवश्यक दस्तावेजों के साथ विहित प्रारूप एक में आवेदन पत्र कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व डोंगरगांव में प्रस्तुत कर सकते हैं। मीडिया को प्रदाय जानकारी के मुताबिक प्रत्येक शासकीय उचित मूल्य दुकान के लिए अलग-अलग आवेदन प्रस्तुत करना होगा। शासकीय उचित मूल्य दुकान आबंटन की प्रक्रिया छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश 2016 के तहत

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com